गैरसैंण, सोमवार
13 अक्टूबर 2025
वर्षः 17
अंकः 155 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अशासकीय वित्त विहीन स्कूलों ने अनुदान को लेकर दी आंदोलन की चेतावनी

देहरादून। अशासकीय वित्त विहीन मान्यता प्राप्त विद्यालय प्रबंधन शिक्षक संघ ने अनुदान की मांग को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी है। संघ की ओर से राज्य भर के वित्त विहीन अशासकीय स्कूलों की बैठक 26 अक्तूबर को हरिद्वार में बुलाई गई है। रविवार को दून में हुई बैठक में संघ ने वित्त विहीन स्कूलों की बदहाली पर चिंता व्यक्त की। दून मॉर्डन स्कूल तुंतोवाला में प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र सिंह गुंसाई की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्कूलों को अनुदान नहीं मिलने पर चिंता जताई गई। संघ ने कहा कि इस संबंध में वार्ता के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय से छह महीने पहले समय मांगा गया था, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

कहा कि वित्त विहीन स्कूलों के साथ सरकार का रवैया सकारात्मक रवैया नहीं है। बैठक में 2017 में अनुदान खत्म करने को लेकर जारी शासनादेश को पूरी तरह निरस्त करने की मांग की गई। तय किया गया कि संघ की अगली बैठक 26 अक्तूबर को हरिद्वार में होगी, इसमें रणनीति तय कर आंदोलन का ऐलान किया जाएगा। बैठक का संचालन दून मॉर्डन स्कूल के प्रधानाचार्य सुखपाल सिंह कोली ने किया। बैठक में प्रांतीय महामंत्री अरविंद सिंह रौथाण, प्रदीप कुमार, यशवीर सिंह, आशीष कुमार, महादेव मैठाणी, संदीप कुमार, अरविंद सकलानी, सोमदत्त दुआ, विनोद कुमार, रजनीश कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

167 किलो मेडा व पंजा जड़ी बूटी के साथ दो गिरफ्तार

उत्तरकाशी। मोरी पुलिस ने रविवार को बेशकीमती मेडा व पंजा जड़ी–बूटी के साथ 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले में वन अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक सरिता डोबाल के निर्देशन में अपराध तथा अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस का सघन चैकिंग अभियान जारी है। थानाध्यक्ष मोरी मोहन कठैत नेतृत्व में मोरी पुलिस की टीम ने गत शनिवार सांय को मोरी–नेटवाड रोड कुनारा तिराहे पर चैकिंग के दौरान एक वाहन से 6 अलग–अलग कट्टों मे भरी 152 किलोग्राम प्रतिबन्धित मेडा तथा एक कट्टे में 15 किलोग्राम पंजा जड़ी–बूटी बरामद की। पुलिसने वाहन में सवार राजेन्द्र सिंह पुत्र जबर सिंह उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम जखोल व सूरत सिंह पुत्र रामचंद्र उम्र 46 वर्ष निवासी लिवाड़ी,थाना मोरी को गिरफ्तार कर दोनों आरोपियों के विरुद्ध वन अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस से की गई पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि यह जड़ी बूटी लिवाड़ी के जंगलों से निकालकर बेचने के लिए देहरादून ले जा रहे थे।

कार खाई में गिरी, चार लोग बाल–बाल बचे

अल्मोड़ा। शनिवार देर रात तिमली–पिपुड़ा पुल के पास एक स्विफ्ट कार अचानक सड़क से करीब 50 फीट नीचे खाई में गिर गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोगों ने तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाकर कार में सवार चारों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात लगभग साढ़े दस से ग्यारह बजे के बीच डायल 112 पर सूचना मिली कि स्विफ्ट कार संख्या यूके 04 एई 2425 खाई में गिर गई है। सूचना पर थाना देघाट की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। कार में डॉक्टर राहुल वर्मा, डॉक्टर मनन वर्मा, डॉक्टर अनिरुद्ध वैद्य और मार्केटिंग ऑफिसर प्रशांत सवार थे। पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी को बाहर निकाला और 108 एंबुलेंस की सहायता से स्याल्दे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

सड़क हादसे में फैक्ट्री कर्मचारी की मौत

हरिद्वार। सिडकुल क्षेत्र में शुक्रवार देर रात सड़क हादसे में हुई फैक्ट्री कर्मचारी की मौत के मामले में पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रियांशु पुत्र सर्वेश कुमार निवासी ग्राम मैगलगंज, जिला लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश) ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई 28 वर्षीय मदन सिडकुल स्थित सीएंडएस कंपनी में कार्य करता था। 10 अक्तूबर की रात उसकी नाइट ड्यूटी थी। वह करीब साढ़े दस बजे साइकिल से कंपनी जा रहा था।

मुख्यमंत्री ने किया अखिल भारतीय किसान मेले एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंतनगर विश्वविद्यालय में आयोजित 118वे अखिल भारतीय किसान मेले एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा उत्पादित नवीन दलहनी प्रजातियों का लोकार्पण व पंतनगर प्रवाह नामक पुस्तक का विमोचन किया। मेले में आयोजित रजत जयंती राज्य स्थापना गोष्ठी एवं संवाद कार्यक्रम में संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस वर्ष के किसान मेले और कृषि प्रदर्शनी में 400 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें से 200 से अधिक स्टॉल देश के विभिन्न राज्यों से आए कृषि क्षेत्र से जुड़े उद्योगों, स्टार्टअप्स और उद्यमियों द्वारा लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन मात्र कृषि उत्पादों और यंत्रों के प्रदर्शन तक सीमित नहीं होते, बल्कि ये किसानों, वैज्ञानिकों और उद्यमियों के बीच ज्ञान, अनुभव और नवाचार के आदान–प्रदान का महत्वपूर्ण माध्यम भी होते हैं। इस प्रकार के कृषि मेलों के माध्यम से जहां एक ओर हमारे किसान भाई एक ही स्थान पर नवीनतम कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, आधुनिक यंत्रों और नई शोधों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, वहीं उन्हें विशेषज्ञों के अनुभवों से सीखने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर भी मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस मेले में प्रदर्शित की जा रही आधुनिक तकनीकों और नवाचारों के माध्यम से हमारे किसान भाई पारंपरिक तरीकों के साथ–साथ नई वैज्ञानिक विधियों को अपनाकर अपनी खेती को और भी अधिक उत्पादक, टिकाऊ और लाभकारी बना पाएंगे। उन्होंने कहा कि जिससे न केवल उनकी आय में वृद्धि होगी, बल्कि प्रदेश की कृषि व्यवस्था भी सशक्त और समृद्ध बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज भारत विकसित राष्ट्र के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी संकल्प के साथ केंद्र सरकार द्वारा हमारे अन्नदाताओं की आय को दोगुना करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज, देशभर के 11 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिसके अंतर्गत उत्तराखंड के भी लगभग 9 लाख के करीब अन्नदाताओं को

प्रतिवर्ष 6 हजार रुपए सहायता राशि प्रदान की जा रही है। आज जहां एक ओर सभी प्रमुख फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) में अभूतपूर्व वृद्धि कर किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य प्रदान किया जा रहा है। वहीं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से किसान को प्राकृतिक आपदाओं, फसल रोगों और कीटों से होने वाले नुकसान हेतु सुरक्षा कवच भी प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के द्वारा खेतों की मिट्टी की वैज्ञानिक जांच कर किसानों को पोषक तत्वों की कमी और आवश्यक उर्वरकों की जानकारी भी दी जा रही है, जिससे उनकी उपज की गुणवत्ता और भूमि की उर्वरता दोनों में सुधार हो रहा है, और इसके साथ ही, किसान मानधन योजना, मिलेट मिशन, बागवानी विकास मिशन, कृषि यंत्र सब्सिडी, बूंदबूंद सिंचाई योजना, डिजिटल कृषि मिशन जैसी अनेकों योजनाओं द्वारा किसानों को लाभ पहुंचाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के बजट में कृषि को विकास का प्रमुख इंजन मानते हुए जहां एक ओर किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट को 3 लाख रुपये से बढाकर 5 लाख रुपये करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है, वहीं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ सिंचाई और कृषि तकनीकों के विकास पर भी विशेष फोकस किया गया है। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने देश के अन्नदाताओं को बड़ी सौगात देते हुए 24 हजार करोड़ रुपये की पीएम धन धान्य कृषि योजना और दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु लगभग 11 हजार 500 करोड़ रुपये की लगात के दलहन उत्पादकता मिशन का शुभारंभ किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हमारी राज्य सरकार भी प्रदेश के किसानों के उत्थान एवं समृद्धि हेतु संकल्पित होकर निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हम एक ओर जहां प्रदेश में किसानों को तीन लाख रुपए तक का ऋण बिना ब्याज के उपलब्ध करा रहे हैं, वहीं कृषि उपकरण खरीदने हेतु फार्म मशीनरी बैंक योजना के माध्यम से 80 प्रतिशत तक की सब्सिडी भी प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने किसानों के हित में नहरों से सिंचाई को पूरी तरह मुफ्त करने का काम किया है। साथ ही, हमने किसानों की आय बढ़ाने के लिए पॉलीहाउस के निर्माण हेतु 200 करोड़ रूपए की राशि का प्रावधान भी किया है। जिसके अंतर्गत अब तक राज्य में लगभग 115 करोड़ रुपए की सहायता से करीब 350 पॉलीहाउस स्थापित किए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, हम जहां एक ओर गेहूं खरीद पर किसानों को 20 रूपए प्रति क्विंटल का बोनस प्रदान रहे हैं, वहीं हमने गन्ने के रेट में भी 20 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी की है। उन्होंने कहा कि हमने उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में वर्षा आधारित खेती को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए लगभग 1,000 करोड़ रुपये की लागत से उत्तराखंड क्लाइमेट रिस्पॉन्सिव रेन–फेड फार्मिंग प्रोजेक्ट भी स्वीकृत किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सब्जियों की तरह ही फलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए भी विभिन्न स्तरों पर काम कर रही है। हाल ही में हमारी सरकार ने 1200 करोड़ रुपये की लागत से नई सेब नीति, कीवी नीति, स्टेट मिलेट मिशन और ड्रैगन फ्रूट नीति जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाओं को लागू किया है। उन्होंने कहा कि इन नीतियों के तहत बागवानी को प्रोत्साहन देने के लिए किसानों को 80 प्रतिशत तक सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

अफगानिस्तान का बड़ा दावा, 7 पाक सैनिकों को बनाया बंधक

काबुल/इस्लामाबाद , पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव अब खुली जंग में तब्दील होता दिख रहा है। पाकिस्तान द्वारा गुरुवार को किए गए मिसाइल हमलों का बदला लेते हुए अफगान तालिबान सेना ने देर रात डूरंड लाइन पर पाकिस्तानी सेना की कई चौकियों पर भीषण हमला कर दिया। इस जवाबी कार्रवाई में 15 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने और 7 को बंधक बनाए जाने की खबर है। अफगानिस्तान ने बंधक सैनिकों की तस्वीरें जारी कर अपने दावे को और पुख्ता किया है।

अफगान मीडिया रिपोर्ट्स और हेलमंद प्रांत के प्रवक्ता मौलवी मोहम्मद कासिम रियाज के अनुसार, यह ऑपरेशन शनिवार देर रात ड्यूरंड लाइन के पास बहरामपुर जिले में शुरू हुआ और करीब तीन घंटे तक चला। अफगान सेना ने न केवल पाकिस्तानी ठिकानों पर भारी गोलाबारी की, बल्कि उनकी तीन सैन्य चौकियों पर भी कब्जा कर लिया। प्रवक्ता ने दावा किया कि ऑपरेशन के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला–बारूद भी जब्त किए गए हैं। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बीबीसी उर्दू को बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे अफगानिस्तान की तरफ से भारी हथियारों से फायरिंग शुरू हुई। पाकिस्तान–अफगान सीमा पर अंगूर अड्डा, कुर्रम, बाजौर, दिर और चितराल समेत कई इलाकों में झड़पों की खबर है।

यह पूरा विवाद गुरुवार को पाकिस्तान द्वारा काबुल और पक्तिका प्रांतों में की गई एयर स्ट्राइक के बाद शुरू हुआ। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान अपनी धरती पर तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान के आतंकियों को पनाह दे रहा है, जो पाकिस्तान में हमले करते हैं। इसी एयर स्ट्राइक के बाद अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को गंभीर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी थी।

हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने भी अफगान हमलों पर जवाबी कार्रवाई की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना ने आर्टिलरी और फाइटर जेट से अफगान चौकियों पर हमला किया।

अफगान रक्षा मंत्रालय ने देर रात बयान जारी कर कहा कि उनका ऑपरेशन आधी रात को खत्म हो गया है। साथ ही चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान ने दोबारा अफगान सीमा का उल्लंघन किया तो उनकी सेना देश की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच सीमा पर तनाव अपने चरम पर है।

बिहार चुनाव से पहले लालू–तेजस्वी को फिर लगा झटका

पटना ,बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में इस्तीफों की झड़ी लग गई है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को एक और बड़ा झटका देते हुए पार्टी के दो और विधायकों नवादा से विभा देवी और रजौली (सुरक्षित) से प्रकाश वीर ने भी अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव को सौंप दिया है। लोकसभा चुनाव के बाद से ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से नाराज चल रहे इन दोनों विधायकों ने हाल ही में गया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में मंच साझा कर अपने इरादे साफ कर दिए थे। तभी से इनके राजद से नाता तोड़ने की अटकलों पर लगभग मुहर लग गई थी। सूत्रों के मुताबिक, दोनों नेता जल्द ही एनडीए का दामन थाम सकते हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा होनी अभी बाकी है। राजद के लिए विभा देवी का जाना एक बड़ा झटका माना जा रहा है। वह पूर्व मंत्री और बाहुबली नेता राजवल्लभ यादव की पत्नी हैं और 2020 में नवादा से राजद के टिकट पर विधायक चुनी गई थीं।

पी. चिदंबरम का 'ऑपरेशन ब्लू स्टार पर बड़ा बयान

बोले- इंदिरा गांधी से हुई थी बड़ी गलती, जान देकर चुकानी पड़ी कीमत

कसौली , कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने 1984 के 'ऑपरेशन ब्लू स्टार को एक बड़ी गलती करार दिया है, जिसकी कीमत तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। उन्होंने यह बयान हिमाचल प्रदेश के कसौली में चल रहे प्रतिष्ठित खुशवंत सिंह लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान एक सत्र को संबोधित करते हुए दिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, मेरा मानना है कि स्वर्ण मंदिर से आतंकवादियों को निकालने और पकड़ने का कोई और तरीका खोजा जा सकता था। ऑपरेशन ब्लू स्टार एक गलत तरीका था। मुझे लगता है कि श्रीमती (इंदिरा) गांधी को उस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। हालांकि, उन्होंने इस फैसले के लिए अकेले इंदिरा गांधी को जिम्मेदार ठहराने से इनकार किया। चिदंबरम ने स्पष्ट किया, लेकिन वह गलती सेना, पुलिस, खुफिया

विभाग और सिविल सेवा का एक मिला–जुला फैसला था। आप इसके लिए केवल श्रीमती गांधी को ही दोष नहीं दे सकते। पूर्व गृह मंत्री ने जोर देकर कहा कि स्वर्ण मंदिर पर फिर से कब्जा प्राप्त करने के लिए सेना को इस कार्रवाई से बाहर रखा जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, इसमें किसी भी सैन्य अधिकारी के प्रति कोई अनादर नहीं है, लेकिन ऑपरेशन ब्लू स्टार स्वर्ण मंदिर पर फिर से कब्जा पाने का गलत तरीका था। इसके कुछ साल बाद, हमने सेना को बाहर रखकर स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने का सही तरीका दिखाया था। बातचीत के दौरान चिदंबरम ने पंजाब के मौजूदा हालात पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अब पंजाब में खालिस्तान या अलगावाद का नारा लगभग खत्म हो चुका है और राज्य की असली समस्या उसकी खराब आर्थिक स्थिति है। उन्होंने कहा, पंजाब की मेरी यात्राओं ने मुझे यह विश्वास दिलाया है कि खालिस्तान और अलगाव का राजनीतिक नारा लगभग खत्म हो गया है और असली समस्या यहां की आर्थिक स्थिति है। चिदंबरम के इस बयान ने एक बार फिर देश की राजनीति के सबसे विवादास्पद अध्यायों में से एक 'ऑपरेशन ब्लू स्टार पर नई बहस छेड़ दी है।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया का सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र का सपना आत्मनिर्भर भारत से होगा पूरा : पीएम मोदी

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजमाता विजयाराजे सिंधिया की जयंती पर उन्हें नमन किया। पीएम मोदी ने कहा कि राजमाता ने जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके योगदान को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने उनके विचारों और आदर्शों को प्रेरणास्रोत बताया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया की जयंती पर कोटि–कोटि नमन। समाज सेवा के उनके प्रयासों को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। उन्होंने जनसंघ और भाजपा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विजयाराजे सिंधिया जी हमारी सांस्कृतिक जड़ों के प्रति गहरी आस्था रखती थीं और उन्हें संरक्षित करने के साथ–साथ उन्हें लोकप्रिय बनाने के लिए भी सदैव कार्यरत रहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 मिनट 19 सेकंड का एक वीडियो पोस्ट किया। संदेश में पीएम मोदी ने कहा कि पिछली शताब्दी में भारत को दिशा देने वाले कुछ चुनिंदा व्यक्तित्वों में राजमाता विजयाराजे सिंधिया शामिल थीं। उन्होंने कहा कि राजमाता जी केवल एक वात्सल्य मूर्ति ही नहीं थीं, बल्कि एक निर्णायक नेता और कुशल प्रशासक भी थीं। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आजादी के बाद के दशकों तक कई महत्वपूर्ण पड़ावों को देखा और अपना पूरा जीवन जनसेवा में समर्पित कर दिया। पीएम ने आगे कहा कि राजमाता राजपरिवार से होने के बावजूद, उनके पास सब कुछ होते हुए भी, उन्होंने एक मां की तरह जनसेवा में अपना जीवन खपा दिया। उन्होंने कहा कि सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत राजमाता का सपना था। उनके इस सपने को हम आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से पूरा करेंगे। राजमाता की प्रेरणा हमारे साथ है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पोस्ट में लिखा कि अपने जीवन का हर क्षण लोक कल्याण व अंत्योदय की उन्नति के लिए समर्पित कर देने वाली, सरलता, सहजता और संवेदनशीलता की त्रिवेणी, राजमाता विजयाराजे सिंधिया की जयंती पर उनके चरणों में कोटि–कोटि नमन करता हूं। पूज्य अम्मा महाराज जी स्नेह, वात्सल्य की प्रतिमूर्ति थीं। यह मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे उनका स्नेह और आशीर्वाद भरपूर मिला।

बैक करते समय बोलेरो खाई में गिरी, चालक की मौत

बागेश्वर। कपकोट तहसील के लीती गांव में बैक करते समय एक बोलेरो जीप खाई में गिर गई। इस हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। गांव के लोग उन्हें जिला अस्पताल लाए। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा भर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जिला अस्पताल के अनुसार रविवार सुबह लीती गांव निवासी 27 वर्षीय चालक डिगर सिंह पुत्र लाल सिंह अपनी बोलेरो जीप को बैक कर रहे थे। इसी दौरान जीप अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन तथा आसपास के लोग उसे जिला अस्पताल लाए। प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर की कार्यवाही चल रही थी। इसी दौरान उनकी मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरा। पोस्टमार्टम के लिए शव को मॉर्चरी में रख दिया है। मृतक का एक और भाई है। वह परिवार के एकमात्र कमाऊ आदमी थे। इसकी मौत से परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। अभी उसकी शादी नही हुई थी। कोतवाल अनिल उपाध्याय ने बताया कि मामले में किसी ने पुलिस में कोई तहरीर नही दी है।

गेस्ट टीचरों के मुद्दे पर पूर्व सीएम हरीश रावत ने सरकार पर साधा निशाना

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने राज्य के गेस्ट टीचरों और एडहॉक टीचरों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार का व्यवहार इनके साथ अच्छा नहीं है। इसको लेकर उन्होंने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के महाविद्यालय, इंटर कॉलेज और हाईस्कूल वर्षों से इन्हीं शिक्षकों के दम पर संचालित हो रहे हैं, लेकिन सरकार उनके नियमितीकरण की दिशा में कदम नहीं उठा रही है। पूर्व सीएम रावत ने कहा कि हमारे गेस्ट टीचर या एडहॉक टीचर वर्षों से काम कर रहे हैं, महाविद्यालय, इंटर कॉलेज और हाईस्कूल इन्हीं से संचालित हैं। पता नहीं क्यों सरकार इनके नियमितीकरण की दिशा में कोई कदम क्यों नहीं उठा रही है। रावत ने शिक्षकों के लंबे अनुभव को नजरअंदाज किए जाने पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इन शिक्षकों को 10–12 वर्ष का शिक्षा देने का अनुभव

हो गया है, फिर भी जब कोई कमीशन का व्यक्ति आता है तो कार्यरत शिक्षक को कहीं और भेजने के बजाय हटा दिया जाता है। उन्होंने सरकार के इस रवैये को अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा कि जिन लोगों ने उत्तराखंड की शिक्षा को एक सम्मानजनक स्थिति तक पहुंचाया, उनके साथ ऐसा व्यवहार बिल्कुल भी अच्छा नहीं है।

मणिपुर में आठ महीने से लागू राष्ट्रपति शासन जल्द होगा खत्म, बीजेपी विधायकों का दावा

इंफाल , दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात के बाद इंफाल लौटे पांच भाजपा विधायकों ने मणिपुर में जल्द सरकार के गठन की उम्मीद जताई। मणिपुर में पिछले 8 महीनों से राष्ट्रपति शासन लागू है। मणिपुर के लगभग 26 भाजपा विधायक पिछले हफ्ते और इस हफ्ते की शुरुआत में दिल्ली गए थे ताकि पार्टी के केंद्रीय नेताओं से मिलकर राज्य में जल्द से जल्द एक लोकप्रिय सरकार बनाने का आग्रह कर सकें। इसमें से पांच भाजपा विधायक शनिवार को मणिपुर लौट आए, लेकिन ज्यादातर विधायक अभी भी दिल्ली में हैं। विधायकों में पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष सत्यब्रत सिंह, पूर्व मंत्री थोंगम बिस्वजीत सिंह, सपम रंजन सिंह, हेइखम डिंगो, युमखाम खेमचंद, कोंथौजम गोविंदास और

विधायक करम श्याम शामिल हैं। विधायकों ने दिल्ली में भाजपा के उत्तर–पूर्व प्रभारी और लोकसभा सांसद संबित पात्रा और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष के साथ बैठक की। विधायक करम श्याम ने कहा कि संबित पात्रा और बीएल संतोष ने उन्हें निर्वाचित सरकार बहाल करने के प्रति सकारात्मक इरादे का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि हालिया चर्चाओं में पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की स्पष्ट चिंता और प्रतिबद्धता झलकती है। करम श्याम ने कहा कि पहले बातचीत में लोकप्रिय सरकार की बहाली का जिक्रकम ही होता था, लेकिन इस बार संबित पात्रा और बीएल संतोष ने इस मामले में स्पष्ट रुचि दिखाई है। हमें उम्मीद है कि जल्द ही सरकार बन जाएगी।

पूर्व मंत्री सपाम रंजन सिंह ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य केंद्रीय नेताओं को मणिपुर की राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति से अवगत कराना और एक निर्वाचित सरकार की शीघ्र बहाली के लिए दबाव बनाना था।

कपकोट में घास काट रही महिला पहाड़ी से गिरी, मौत

बागेश्वर। कपकोट के कनलगढ़ घाटी के ग्राम कन्यालीकोट में एक महिला घास काटते समय खाई में गिर गई। गभीर हालात में घायल को परिजन जिला अस्पताल लाए। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 48 वर्षीय कन्यालीकोट निवासी परुली देवी पत्नी भूपेंद्र राम रविवार की सुबह घास काटने के लिए जंगल गई थी। घास काटते समय वह असंतुलित होकर खाई में गिर गई। इदसे में उसके सिर के साथ ही शरीर में गंभीर चोटें आ गईं। परिजन उसे जिला अस्पताल लाए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत का कारण सिर से अधिक खून बहना बताया जा रहा है।

लखनऊ में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म की घटना दुखद और शर्मनाक : मायावती

लखनऊ ,उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने राजधानी लखनऊ के एक इलाके में एक युवती के साथ कथित सामूहिक बलात्कार की घटना को दुखद और शर्मनाक बताया है। उन्होंने सरकार से महिला अपराध को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, राजधानी लखनऊ के बंथरा क्षेत्र में किशोरी के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना अति–दुखद व शर्मनाक है। उत्तर प्रदेश समेत देश के अलग–अलग राज्यों में महिला उत्पीड़न के साथ–साथ दुष्कर्म व हत्या जैसी घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं।

सरकार की ओर से इसकी रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने की सख्त जरूरत है। महिला सम्मान तो दूर महिलाओं की सुरक्षा पहले व अत्यंत जरूरी है। लखनऊके बंथरा थाना क्षेत्र से एक 16 वर्षीय छात्रा, जो 11वीं कक्षा में पढ़ती है, के साथ हरौनी पेट्रोल पंप के पास कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई थी। आरोप है कि 5 युवकों ने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया।घटना की जानकारी पुलिस को मिली, जिसके बाद बंथरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया। पुलिस ने इस मामले में ललित कश्यप, विशाल गुप्ता, राजेंद्र कश्यप उर्फ बाबू, मेराज और छोटू के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। घटना के कुछ घंटे बाद लखनऊ पुलिस ने एनकाउंटर के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सम्पादकीय

पैच वर्क के भरोसे सड़क तंत्र

मानसून की बारिश के कारण जहां राज्य भर की सड़क बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है वही अभी सड़कों के सुधारीकरण के लिए सरकार पैच वर्क का सहारा ले रही है। दावा किया गया है कि लगभग 52% का कार्य पूरा किया जा चुका है लेकिन राज्य की सड़कों की दशा इस पैच वर्ष से सुधर पाएगी ऐसा नजर नहीं आता है। मुख्यमंत्री द्वारा सड़कों की दशा और आपदाग्रस क्षेत्र में पुनर्निर्माण को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है और इसी दिशा में सड़कों के निर्माण को लेकर भी जल्द कार्य शुरू किया जाएगा। इस मानसून ओर भीषण बारिश में उत्तराखंड में अपने पीछे कही दर्द देने वाले निशान छोड़े हैं। हालांकि हर मानसून की एक ही कहानी है और हर बार उत्तराखंड भारी बारिश के कारण परेशानियों को झेलता आया है। उत्तराखंड के पहाड़ों को सबसे अधिक नुकसान क्षतिग्रस्त सड़कों के रूप में हुआ है। मानसून के बाद कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण सड़के बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है। अगले कुछ दिनों में चार धाम यात्रा के कपाट बंद होने लगेंगे और जिस तरह से मौसम खुलने पर श्रद्धालुओं का रुझान एक बार फिर बद्रीनाथ एवं केदारनाथ की ओर देखने को मिला है उसे देखते हुए सड़कों को आवागमन के लायक बनाना जरूरी है। प्रदेश सरकार द्वारा पहाड़ों में सड़कों की दशा सुधारने एवं निर्माण को लेकर अच्छा खासा बजट खर्च किया जाता है। यह बात अलग है कि घटिया गुणवत्ता के कारण सड़क अधिक नहीं चलती तो कहीं प्राकृतिक आपदा की आड़ में सड़कों की निम्न गुणवत्ता और टिकाऊपन बह जाता है। जरूरी है कि उत्तराखंड में पहाड़ों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सड़कों के निर्माण के लिए तैयारी की जानी चाहिए। प्राकृतिक आपदा की आड़ में घटिया निर्माण को भी दबाने का प्रयास ठेकेदारों द्वारा किया जाता है। पहाड़ों की सड़क स्थानीय लोगों की आजीविका को चलाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और यदि सड़के ही क्षतिग्रस्त रहेंगी तो व्यावसायिक एवं सामाजिक अव्यवस्थाएं भी पैदा होगी। सामान्य व्यवस्थाओं को छोड़ दें तो पहाड़ों में वैसे भी सड़कों की स्थिति कोई खास अच्छी नहीं है। सड़कों के निर्माण का कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा मुख्य तौर पर किया जाता है और विभाग में टेंडर की प्रणाली का खेल जग जाहिर है। सड़कों के निर्माण को लेकर कहीं ना कहीं प्राकृतिक आपदाओं की संभावनाओं को भी नजरअंदाज किया गया है। सड़क मार्ग के भरोसेही उत्तराखंड के पहाड़ों में पर्यटन की संभावनाएं तलाशी जा रहीं हैं, लेकिन यदि परिवहन व्यवस्था ही जर्जर हालत में होगी तो फिर एक विकसित पर्यटन की कल्पना कैसे की जा सकती है? पहाड़ों में मैदानों जैसी व्यवस्थाओं के तहत सड़कों का निर्माण ना तो किया जा सकता है और ना ही यह सफल साबित होगी। भारी बारिश से नष्ट हुई सड़कों की दशा ठीक करने के लक्ष्य पर सरकार को काम करना चाहिए, जिसके तहत फिलहाल पैच वर्क का काम किया जा रहा है और जल्दी प्रदेश भर में सड़कों को नए स्वरूप में लाने के लिए भी कार्य किए जाने की उम्मीद है।

ट्रंप को क्या नोबेल तमंगा मिलेगा?

श्रुति व्यास

डोनाल्ड ट्रंप के लिए शांति का अर्थ कभी युद्ध समाप्त करना नहीं बल्कि हेडलाइन जीतना का रहा है। और उसके बाद फिर नोबेल पुरस्कार। इस कार्यकाल की शुरुआत से ही ट्रंप की निगाह ओस्लो पर रही है। राष्ट्रपति पद बस मंच था; तमगा था लक्ष्य।

इसलिए वे जब दोबारा ओवल ऑफ़िस लौटे, तो वे एक जलती हुई दुनिया में भी सहज दिखे। आख़िर, युद्ध तो ऐसे शख़्स के लिए सबसे सुंदर पृष्ठभूमि है जो खुद को शांति निर्माता कहता है। उनकी विदेश नीति की शैली – अगर इसे नीति कहा जा सके – प्रदर्शन और दबाव का मिश्रण रही है। संघर्ष को बढ़ने दो, टैरिफ़ की धमकी दो, उसे डील कहो और फिर ट्रुथ सोशल पर सबसे पहले शांति की घोषणा कर दो।

कई बार यह तरीका काम कर गया – दक्षिण एशिया, अफ़्रीका और पूर्वी एशिया जैसे छोटे संघर्षों में, जहाँ ट्रंप की एक कॉल, एक व्यापारिक धमकी और टफ लव का नाटक युद्धविराम बना गया।लेकिन यूक्रेनझ्ररूस और इज़राइलझ्रग़ाज़ा की लड़ाइयाँ अलग निकलीं – ज़िद्दी, प्रतीकात्मक और चुनावी कैलेंडर में असुविधाजनक।

फिर भी, ग़ाज़ा मोर्चे पर कुछ बदला है। बुधवार दोपहर जब ट्रंप एंटी–एंटिफ़ा राउंडटेबल में बोल रहे थे, तो विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने उन्हें एक नोट थमायाः बहुत नज़दीक हैं। आपको जल्द पोस्ट मंजूर करनी होगी ताकि सबसे पहले आप ही डील की घोषणा कर सकें। कुछ ही मिनटों बाद ट्रंप ने वैसा ही किया – अपने अंदाज़ में, अतिशयोक्ति के साथ।

उन्होंने लिखाः सभी बंधक बहुत जल्द रिहा किए जाएंगे और इज़राइल अपने सैनिकों को तय रेखा तक वापस बुलाएगा – एक मज़बूत, टिकाऊ और सदा–स्थायी शांति की दिशा में पहला क़दम। सभी पक्षों के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार होगा!

पूरी तरह बड़े अक्षरों में। पूरी तरह ट्रंप। पूरी तरह तमाशा।

व्हाइट हाउस ने कुछ घंटों के भीतर ट्रंप की तस्वीर ट्वीट की – घोषणा भी उसी हफ़्ते आई जब नोबेल पुरस्कार सप्ताह चल रहा था। संयोग इतना परिपूर्ण कि वॉशिंगटन की पीआर मशीन रुक ही न सके। पर दिखावे से परे, ट्रंप के मीडिया प्रचार और उनके वफादार चैनलों की तालियाँ ओस्लो में असर नहीं छोड़ पाईं। विशेषज्ञों का भी यही मत है – नोबेल कमिटी तमाशे पसंद करती है, पर यह वाला नहीं। कम से कम इस साल तो नहीं। जहाँ तक युद्धविराम की बात है, यह कहानी कुछ जानी–पहचानी लगती है। जनवरी में भी एक जल्दबाज़ी में हुआ युद्धविराम बंधकों की अदला–बदली पर टूट गया था। मगर इस बार तैयारी ज़्यादा सुनियोजित दिखती है – कम अफ़रा–तफ़री, ज़्यादा चमक–दमक। हमास ने बयान दिया है कि ट्रंप सुनिश्चित करें कि इज़राइली शासन पूरी तरह समझौते का पालन करे – औपचारिक शब्दों के नीचे झाँकता अविश्वास साफ़ दिखा।

उनका बयान स्वतंत्रता और आत्मनिर्णय की माँग दोहराता है – ऐसे शब्द जो इज़राइल के दक्षिणपंथ को अस्थिर करते हैं और वॉशिंगटन में लगभग अनसुने रह जाते हैं। इज़राइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने घरेलू

> **व्हाइट हाउस ने कुछ घंटों के भीतर ट्रंप की तस्वीर ट्वीट की – घोषणा भी उसी हफ़्ते आई जब नोबेल पुरस्कार सप्ताह चल रहा था। संयोग इतना परिपूर्ण कि वॉशिंगटन की पीआर मशीन रुक ही न सके। पर दिखावे से परे, ट्रंप के मीडिया प्रचार और उनके वफादार चैनलों की तालियाँ ओस्लो में असर नहीं छोड़ पाईं। विशेषज्ञों का भी यही मत है – नोबेल कमिटी तमाशे पसंद करती है, पर यह वाला नहीं। कम से कम इस साल तो नहीं। जहाँ तक युद्धविराम की बात है, यह कहानी कुछ जानी–पहचानी लगती है। जनवरी में भी एक जल्दबाज़ी में हुआ युद्धविराम बंधकों की अदला–बदली पर टूट गया था। मगर इस बार तैयारी ज़्यादा सुनियोजित दिखती है – कम अफ़रा–तफ़री, ज़्यादा चमक–दमक।**

विद्रोह से जूझ रहे हैं। उन्होंने वादा किया है कि हम अपने सभी प्रिय बंधकों को वापस लाएँगे, लेकिन उनके अति–दक्षिणपंथी मंत्री – बेत्सलेल स्मोट्रिच और इतामार बेन–गवीर – धमकी दे चुके हैं कि अगर उन्होंने युद्धविराम मंजूर किया तो सरकार गिरा देंगे।

ट्रंप की प्रतिक्रिया, के अनुसार, शुद्ध ट्रंप थीः मुझे समझ नहीं आता तुम हमेशा इतने नकारात्मक क्यों रहते हो। यह जीत है। इसे जीत की तरह लो।कूटनीति के रूप में क्रूर बल – यही ट्रंप सिद्धांत है, एक पंक्ति में। फिर भी, यह मानना होगा कि एक संकीर्ण खिड़की खुली है। जनता का ध्यान युद्ध पर उतना ही केंद्रित है जितना ओस्लो समझौतों (1993–95) के समय था। ईरान के क्षेत्रीय प्रॉक्सी कमजोर हुए हैं, खाड़ी देश ग़ाज़ा के पुनर्निर्माण को फंड देने को तैयार हैं – और सुरक्षा गारंटी पर भी बातचीत को, जो 1990 के दशक में अकल्पनीय थी।

कागज़ पर माहौल दशकों में सबसे अनुकूल दिखता है। पर ज़मीन पर भावनाएँ अलग हैं। ओस्लो के तीस साल और 7 अक्टूबर के दो साल बाद, दोनों समाज – इज़राइली और फ़िलिस्तीनी – पहले से कहीं ज़्यादा निराश हैं।

अधिकांश इज़राइली अब दो–राष्ट्र समाधान पर विश्वास नहीं करते; केवल लगभग एक चौथाई करते हैं।

फ़िलिस्तीनियों में उग्रता गहरी है – आधे अब भी 7 अक्टूबर के हमलों को जायज़ ठहराते हैं और अधिकांश हमास की बर्बरता से इनकार करते हैं। शांति की पुरानी भाषा अब दो समाजों में खोखली लगती है जिन्होंने एक–दूसरे की मानवता पर ही विश्वास खो दिया है।

अगर बंधक रिहा होते हैं, तो फ़िलिस्तीनी देखेंगे कि क्या इज़राइल सचमुच ग़ाज़ा में एक तकनीकी प्रशासन को शासन करने देगा। इज़राइली देखेंगे कि क्या ग़ाज़ा स्वयं को संभाल सकता है। और दोनों देखेंगे ट्रंप को – कि क्या उनका डील ऑफ़ द सेंचुरी महज़ चुनावी नारा है या वास्तविक समझौता।

पर अभी ट्रंप उत्साहित हैं – चमकती आँखों के साथ।ख़बर है कि वह सप्ताहांत में क्षेत्र की यात्रा पर निकलेंगे, हस्ताक्षर समारोह में खुद को निर्माता के रूप में प्रस्तुत करने। यह डील टिकेगी या नहीं, यह अब भरोसे से नहीं बल्कि ट्रंप की अपनी आत्म–नियंत्रण क्षमता पर निर्भर करेगा – क्या वह अपनी त्वरित प्रसिद्धि की लालसा को थाम पाते हैं या नहीं।

एक बात तय है – कैमरों की चमक और तस्वीरों की चकाचौंध के बीच, वह पहले ही उस सुनहरे मेडल की कल्पना कर रहे होंगे, जिस पर अंकित होगा क्द्दड्डष्द्ग, और जो अगले वर्ष उनके गले में लटक रहा होगा।

वही तस्वीर जिसका पीछा वे हमेशा करते रहे – हमारे समय की शांति नहीं, अपनी ताली के लिए।क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप के लिए, शांति कोई सिद्धांत नहीं – बस एक और डील है।और इस बार, रोशनी ज़्यादा अच्छी है।

हम युद्ध में लड़े नहीं पर शामिल है!

श्रुति व्यास

दो साल हो गए है। एक ऐसे युद्ध के, जिसके हम सब, पूरी दुनिया किसी न किसी रूप में गवाह बनी हैं। इसे सभी ने हथियार उठाकर नहीं, बल्कि स्क्रीन उठाए देखा है। हथेली में थमी उस चमकदार स्क्रीन पर हमने सब होते देखा। भय और भयावहता को लाइव फीड की तरह देखा। फिर धीरे–धीरे देखने की आदत ही बना ली।सात अक्तूबर के दिन जब हमास ने हमला किया तो वह अक्लपनीय था। सब हतप्रभ। कुछ ही घंटों मे 1,200 से अधिक इजराइली मारे गए, ज़्यादातर मासूम नागरिक। घरों में, सड़कों पर, कीबुत्ज़ में, जीवन का उत्सव मनाने वाले एक संगीत समारोह में सभी तरफ।

तब दुनिया ने देखा – हमास के लड़ाकों द्वारा युवा महिलाओं को बंदी बनाते हुए। उनमें से एक को निर्वस्त्र कर, बेइज़्ज़ती करते हुए ग़ाज़ा की गलियों में ट्रक पर घुमाया गया। उसके परिवार को खबर तक नहीं थी कि वह मर चुकी है, जबकि दुनिया देख चुकी थी। हमने टीवी पर उस पिता को देखा जो कैमरे के सामने टूट रहा था, अपनी अगवा की गई बेटी के लिए विनती करता हुआ – उसका दुख दुनिया भर में प्रसारित हुआ, और हम सब बस देखते रहे।थोड़े दिन इजराइल का जवाबी हमला तर्कसंगत लगा। एक देश की संप्रभुता, आतंक–विरोध और न्याय की भाषा में ढला हुआ। बेंजामिन नेतन्याहू के इजराइल ने वही अमेरिकी मिसाल दोहराईः अगर अमेरिका 9/11 के बाद अल–कायदा को मिटाने के लिए युद्ध कर सकता है, तो इजराइलनभी हमास को "नष्ट" करने के लिए कर सकता है। लेकिन इस भाषा के नीचे राजनीति की सुविधा छिपी थी। नेतन्याहू, जो घरेलू भ्रष्टाचार मामलों और विरोध प्रदर्शनों से घिरे थे, उन्हें युद्ध में राहत मिली – एक संकट जो विरोध को निगल गया, एक भय जो जनता को एक साथ बाँध गया।और इसके साथ ही शुरू हुआ दूसरा नरसंहार। इजराइली रॉकेटों ने ग़ाज़ा की बस्तियाँ समतल कर दीं। पूरे–पूरे परिवार एक ही वार में मिट गए। अस्पताल ईंधन के अभाव में अंधेरे में डूब गए। बच्चे तख़्तों पर रखकर निकाले गए, राहत–काफ़िले सीमाओं पर रोके गए, शरणार्थी नंगे पाँव मलबे पर चलने लगे। यूनिसेफ़ के अनुसार युद्ध शुरू होने के बाद से ग़ाज़ा में 19 हज़ार से अधिक बच्चे मारे गए या लापता हुए हैं। और फिर आई मानव–निर्मित अकाल की त्रासदी। भूखे बच्चे, लापता माता–पिता, और एक ऐसी दुनिया जो न पहुँच सकी, न बोल सकी।हमने वह दृश्य भी देखा जब अल–जज़ीरा के पत्रकार वायल दहदूह मलबे के बीच खड़े होकर रिपोर्टिंग करते हैं – उसी आवाज़ में जिसमें वे अपनी पत्नी और चार बच्चों की मौत की ख़बर बताते हैं।कुछ दिन पहले, एक और पिता की तस्वीर देखी – अपनी एकमात्र बेटी नूर के लिए विलाप करता हुआ। छह वर्षों के इंतज़ार के बाद मिली वह बच्ची, जिसे उसने मलबे के नीचे खो दिया। माँ, चेहरे पर धूल और अविश्वास लिए, उस खंडहर पर खड़ी थी जिसने उसका पूरा संसार निगल लिया था। बचावकर्मी नंगे हाथों से मलबा खोद रहे थे, जब तक कि उन्हें वह छोटी सी निस्पंद देह नहीं मिली – जीवन रहित, पर माता–पिता अब भी साँस माँग रहे थे जहाँ अब साँस बाकी नहीं थी।

दो साल बीत गए, और हर तस्वीर एक–सी हो गई – भयावह, परिचित, निर्दय। इजराइल में ख़ाली कुर्सियाँ, शब्बात डिनर पर गुम लोग, वे परिवार जो हर सुबह अनुपस्थिति के साथ जागते हैं। ग़ाज़ा में तंबू, मलबा, बेनाम कब्रें, धूल से ढके चेहरे। दोनों ओर से हर तस्वीर एक ही प्रश्न पूछती है – यह युद्ध अब क्या हासिल करना चाहता है?लेकिन जबकि यह सवाल अब भी अनुत्तरित है, राजनीति की मशीनरी चलती रहती है। शांति की बातचीतें फिर शुरू होती हैं – हर बार की तरह, जल्दबाज़ी में, औपचारिकता की तरह। क्योंकि हम पहले भी यहाँ आ चुके हैं – बार–बार।

अक्तूबर 2023 के बाद से इजराइल और हमास के बीच सात युद्धविराम किए गए या प्रयास हुए। पहला, नवंबर में, सात दिनों की संधि थी – 100 से अधिक इजराइली बंधक और 240 फ़िलिस्तीनी कैदी छोड़े गए। फिर जैसे हर बार होता है, समझौते की स्याही सूखने से पहले ही बमबारी शुरू हो गई। बाद के सभी प्रयास – मिस्र, क़तर और अमेरिका की मध्यस्थता में – कुछ दिनों में ढह गए। हर बार वही हेडलाइनें, वही उम्मीदें, वही वादे, और फिर वही विस्फोट। हर विराम अस्थायी रहा, हर ख़ामोशी नाज़ुक। और हर बार, कीमत चुकाई नागरिकों ने – विस्थापितों ने, भूखों ने, शोकाकुलों ने – उस उम्मीद की, जो हर बार टूट जाती है।

सोना इतना महंगा क्यों?

सोने के साथ–साथ क्रिप्टो करेंसी का भाव भी बढ़ा है। अमेरिकी शेयर बाजार ऊंचाई पर हैं। इसका शिकार अमेरिकी सरकार के बॉन्ड बने हैं। हाल में प्रमुख मुद्राओं के बास्केट की तुलना में डॉलर की कीमत नौ फीसदी गिरी है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव प्रति औंस 4000 डॉलर पार कर गया है। भारत में बुधवार को 24 कैरेट सोने की कीमत प्रति दस ग्राम सवा लाख रुपये से अधिक हो गई। इसके साथ इस वर्ष सोने का भाव 51 फीसदी बढ़ चुका है। यह असामान्य घटनाक्रम है, जबकि यह दाम की अंतिम सीमा नहीं है। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन शैक्स का अनुमान है कि 2026 के आखिर तक सोने का भाव प्रति औंस 4,900 डॉलर पार कर जाएगा। उधर मॉर्गन स्टैनले के रणनीतिकारों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे अपना कम–से–कम 20 प्रतिशत पैसा सोने में लगाएं। आम ट्रेंड यह उभरा है कि लोग डॉलर से जुड़ी संपत्तियों से पैसा निकाल कर सोना खरीद रहे हैं।

इसे अमेरिकी मुद्रा में घटते भरोसे का संकेत समझा गया है।इस समय सोने के साथ–साथ क्रिप्टो करेंसी का भाव भी बढ़ा है, जबकि अमेरिकी शेयर बाजार का सूचकांक ऊंचा बना हुआ है। जानकारों के मुताबिक इसका शिकार अमेरिकी सरकार के बॉन्ड बने हैं। गुजरे एक महीने में प्रमुख मुद्राओं के बास्केट की तुलना में डॉलर की कीमत नौ फीसदी गिर चुकी है। अमेरिका के वित्तीय दायरे में इसको लेकर गहरी चिंता है। कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की आक्रमक व्यापार नीति, संस्थाओं के प्रति अनादर और अभी अमेरिका में चल रही सरकार–बंदी (शटडाउन) के कारण निवेशकों का भरोसा डोल गया है।

पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भू–राजनीतिक मकसद साधने के लिए अपनी मुद्रा को जिस तरह हथियार बनाया, उससे पहले ही डॉलर सिस्टम से अलग होने की प्रवृत्ति दुनिया में उभरने लगी थी। अब ट्रंप काल में अस्थिरता एवं अनिश्चितताएं और अधिक बढ़ी हैं। ऐसे मौकों पर निवेशक सोने का सहारा लेते हैं, जिसे सदियों से सबसे सुरक्षित निवेश समझा जाता रहा है। उधर यह संकेत भी मजबूत हुआ है कि चीन अपनी मुद्रा युवान को स्वर्ण समर्थित करने की दिशा में बढ़ रहा है। यानी सोने की महंगाई के पीछे दूरगामी महत्त्व की अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रवृत्तियां और भू–राजनीतिक घटनाएं हैं। मगर इसका अफसोसनाक परिणाम यह है कि सोना आम जन की पहुंच से बाहर हो गया है।

ईशा कोप्पिकर की वापसी : रॉकेटशिप का ट्रेलर पेश करता है एक सशक्त मां–बेटी की कहानी

ईशा कोप्पिकर की अगली फिल्म, रॉकेटशिप, का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार लॉन्च हो गया है, जो दर्शकों को एक भावनात्मक रूप से भरपूर सिनेमाई अनुभव की पहली झलक देता है। निर्माता हरमन राय सहगल ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को एक भावुक कैप्शन के साथ साझा किया है जो फिल्म के सार को बखूबी दर्शाता हैः हर सपने को चाहिए एक सहारा, हर सफर को चाहिए प्यार। व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल की इस प्रस्तुति में ईशा कोप्पिकर एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर वापसी कर रही हैं। जिसमें वे एक ऐसी भूमिका निभा रही हैं जो अपनी बेटी के सपनों को साकार करने में समर्थन करने वाली एक माँ के रूप में उनके अभिनय कौशल को दर्शाता है। ट्रेलर एक ऐसी भावनात्मक कहानी की झलक देता है, जो एक मां की अटूट शक्ति और बेटी के अडिग सपनों के बीच के गहरे रिश्ते को उजागर करता है, और एक ऐसी कहानी के लिए मंच तैयार करती है जो देश भर के परिवारों के साथ जुड़ जाएगी। ईशा कोप्पिकर, जिन्होंने सालों से अपनी खूबसूरती, शालीनता और अभिनय प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर राज किया है, अब रॉकेटशिप में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं जो दर्शकों के दिल को छूने और भावनाओं की गहराइयों में ले जाने का वादा करती है। यह प्रोजेक्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह अनुभवी प्रतिभाओं और उभरते हुए फिल्म निर्माताओं – खासकर सुभाष घई की प्रतिष्ठित व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल अकादमी के छात्रों – के बीच एक सुंदर सहयोग का प्रतीक है। ईशा का इस डिप्लोमा प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने का फ़ैसला इस बात को दर्शाता है कि वह नए टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए कितनी प्रतिबद्ध हैं, और किस तरह वो इन छात्रों की संघर्षपूर्ण यात्रा से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हैं।

महिला विश्व कप : बल्ले के बाद गेंद से नेट सेवियर ब्रंट का शानदार प्रदर्शन, इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रन से हराया

कोलंबो , महिला विश्व कप 2025 के 12वें मैच में इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रन से हरा दिया है। श्रीलंका विश्व कप में अब तक एक भी मैच नहीं जीत सकी है। कोलंबो के आर प्रेमदासा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका को जीत के लिए 254 रन का लक्ष्य मिला था। श्रीलंका की टीम 45.4 ओवर में 164 रन पर सिमट गई और 89 रन के बड़े अंतर से मैच हार गई। श्रीलंका के लिए हसिनी परेरा ने 35, हर्षिता समरविक्रमा ने 33 और निलाक्षिका सिल्वा ने 23 रन की पारी खेली। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सकीं। इंग्लैंड के लिए सोफी एक्लेस्टन ने बेहतरीन गेंदबाजी की। एक्लेस्टन ने 10 ओवर में 3 मेडन फेंके और सिर्फ 17 रन देते हुए 4 विकेट झटके। कप्तान नेट सवियर ब्रंट और चार्ली डीन ने 2–2, लिंसे स्मिथ और एल्सी कैप्सी ने 1–1 विकेट लिए।इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 253 रन बनाए थे। कप्तान नेट सेवियर ब्रंट के 117 गेंद पर 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से बनाए 117 रन की शतकीय पारी खेली थी।

कप्तान के अलावा टैमी ब्यूमाउंट ने 29 गेंद पर 32, हिदर नाईट ने 47 गेंद पर 29 और चार्ली डिन ने 36 गेंद पर 19 रन बनाए। सभी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत मिलने के बाद भी अपनी पारी को बड़ा नहीं कर पाईं। नेट सेवियर ब्रंट ने एंकर भूमिका निभाई। वह नौंवे विकेट के रूप में आउट हुईं। इस दौरान छोटी–छोटी साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर उन्होंने 253 तक पहुंचाया।

श्रीलंका के लिए इनोका रानावीरा ने 10 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए। वह टीम की तरफ से श्रेष्ठ गेंदबाज रहीं। इसके अलावा उदेशिका प्रबोधनी ने 9 ओवर में 55 रन देकर 2, सुगंदिका कुमारी ने 10 ओवर में 66 रन देकर 2, और कविशा दिल्हाड़ी ने 8 ओवर में 34 रन देकर 1 विकेट लिए। श्रीलंका की तीसरे मैच में यह दूसरी हार है। एक मैच बारिश की वजह से धुल गया था। अंकतालिका में श्रीलंका सातवें स्थान पर है। वहीं इंग्लैंड 3 मैच में 3 जीत के साथ 6 अंक लेकर पहले स्थान पर चली गई है।

नोरा फतेही ने थाम्मा से अपने अगले बॉलीवुड हिट गाने दिलबर की आँखों का टाइटल किया रिवील

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही ने हाल ही में एक बड़ी खबर दी है। वह मैडॉक फिल्म्स की आगामी फिल्म थाम्मा में अपने नए गाने दिलबर की आँखों का के साथ बॉलीवुड डांस की दुनिया में आधिकारिक तौर पर एक और ब्लॉकबस्टर गाने के साथ वापस आ रही हैं। इस गाने में रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं। अपने फैंस के लिए एक रोमांचक संदेश में, नोरा ने कहा, हाय मेरे प्यारे दोस्तों, मैं आज आपसे कुछ बेहद रोमांचक बात करने आई हूँ। चलिए, उस ख़ास बात पर बात करते हैं। जोकि सब जानते हैं कि मैंने काफी समय से किसी बॉलीवुड फिल्म में डांस नंबर नहीं किया है। 2018 में दिलबर और कमरिया मेरी ज़िंदगी का धमाकेदार मोड़ था। इसने मुझे पहचान दिलाई और आप लोगों से मेरा परिचय दिलबर गर्ल और कमरिया गर्ल के रूप में हुआ। स्त्री में कमरिया गाने के ज़रिए मुझे यह किरदार मिला और इसने मेरी ज़िंदगी बदल दी।

मिर्जापुर में अपने किरदार को लेकर श्वेता त्रिपाठी ने कहा– मेरे पुराने दोस्त की तरह है गोलू

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने हाल ही में बनारस में मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म में श्वेता फिर से अपने लोकप्रिय किरदार गजगमिनी गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। आईएएनएस से दिए इंटरव्यू में श्वेता ने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार निभाना मेरे लिए किसी पुराने दोस्त से मिलने जैसा है। एक ऐसा दोस्त, जो मेरे जीवन के उतार–चढ़ाव और बदलावों का साक्षी रहा है। बनारस की खासियत है कि यहां की हर कहानी और भी ज्यादा जीवंत लगती है। श्वेता के लिए बनारस वापसी एक खास एहसास लेकर आई है। उन्होंने बताया कि इस शहर ने उनके एक्टिंग करियर में कई महत्वपूर्ण पल देखे हैं। उनकी पहली बड़ी फिल्म मसान से लेकर मिर्जापुर सीरीज तक, बनारस उनके सफर का अहम हिस्सा रही है।

कप्तान गिल का 'शतकीय प्रहार, डब्ल्यूटीसी में बने भारत के नए 'किंग

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल का टेस्ट क्रिकेट में शानदार फॉर्म जारी है। गिल ने शनिवार (11 अक्टूबर) को दिल्ली में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन एक बेहतरीन शतक जड़ते हुए कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम कर लिए। यह उनके टेस्ट करियर का 10वां और बतौर कप्तान सिर्फ 12वीं पारी में पांचवां शतक है।गिल ने भारत की पहली पारी के 130वें ओवर में 176 गेंदों पर 13 चौकों और एक छक्के की मदद से अपनी सेंचुरी पूरी की। इस शानदार पारी की बदौलत गिल अब वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

इस शतक के साथ ही शुभमन गिल वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में 10 शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा (9 शतक) को पीछे छोड़ दिया। इतना ही नहीं, गिल में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। बतौर कप्तान गिल ने इस साल 5 टेस्ट शतक जड़े हैं और वह एक कैलेंडर वर्ष में ऐसा करने वाले विराट कोहली के बाद दूसरे भारतीय कप्तान बन गए हैं। कोहली ने 2017 और 2018 में यह कारनामा किया था।दिल्ली टेस्ट में शुभमन गिल 196 गेंदों का सामना करते हुए 16 चौकों और दो छक्कों की मदद से 129 रन बनाकर नाबाद रहे। यह भारत की धरती पर उनका सर्वोच्च टेस्ट स्कोर भी है। इससे पहले मैच में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भी 175 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली थी। इन दोनों शतकों की बदौलत भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 5 विकेट के नुकसान पर 518 रनों के विशाल स्कोर पर घोषित कर दी।

संक्षिप्त समाचार

यूकेएसएसएससी की रद्द की गयी परीक्षा कराने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः बीएड प्रशिक्षित युवा संघ के प्रवक्ता अरविंद दुदपुड़ी ने यूकेएसएसएससी की रद्द किये जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि स्नातक स्तरीय परीक्षा हर हाल मे तीन महीने के अंदर कराने की मांग की है। रविवार को यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षाओं के न होने पर पपेर लीक से युवाओं में आक्रोश बढ़ रहा है जो कभी भी आंदोलन का रूप ले सकता है। साथ ही पूर्व में इंटर कालेज प्रवक्ता सहित कुछ अन्य परीक्षाएं स्थगित की गई थी, जो अभी तक नहीं हो पाई है। इसलिए युवा हित को देखते हुए सरकार को भर्ती परीक्षाओं को हर हाल में करवाना चाहिए।

पैठाणी राहु मंदिर के सौंदर्यीकरण को बनी योजना

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः कैबिनेट मंत्री ने रविवार को जिला कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में राहु मंदिर पैठाणी के जीर्णोद्वार एवं मास्टरप्लान के संबंध में बैठक ली। बैठक में अफसरों ने राहु मंदिर के सौन्दर्यीकरण कार्यों की जानकारी दी। डा.धन सिंह ने अफसरों को राहु मंदिर पैठाणी के जीर्णोद्वार व मास्टरप्लान को लेकर निर्देश दिए। रविवार को आयोजित बैठक में कैबिनेट मंत्री ने पैठाणी क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ करने, धर्मशाला को गढ़वाली स्थापत्य शैली में निर्मित करने, राहु मंदिर शिला के परिक्रमा पथ एवं उसके संरक्षण, क्षेत्र में गेस्ट हाउस निर्माण, पार्किंग, हेलीपैड व घाट निर्माण के निर्देश दिए। कहा कि मुख्य द्वार के पास संकेतक बोर्ड का निर्माण किया जाय, जिसमें राहु मंदिर से संबंधित ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक जानकारियां अंकित की जाएं। बैठक में जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने मंदिर के सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा हेतु वेटिंग हॉल, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय, डिजिटल डिस्प्ले, प्याऊ विश्राम स्थल तथा भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। साथ ही मंदिर तक पहुंचने वाले मार्ग का शीघ्र निर्माण किया जाएगा। बैठक में जिला पंचायत सदस्य शिवचरण नौडियाल, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग सुनील जोशी, जिला खनन अधिकारी राहुल नेगी, पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक नरेंद्र रावत आदि शामिल रहे।

91 स्कूलों में बनी वर्चुअल स्मार्ट क्लास

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः जिले को 91 स्कूलों में बनी वर्चुअल स्मार्ट क्लास की सौगात मिल गई है। इसी के साथ जिले में अब स्मार्ट क्लास रूम बढ़कर 172 हो गए हैं। वर्चुअल स्मार्ट क्लास रूमों का शुभारंभ करते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कोटद्वार के राइंका झंडीचौड़ की वर्चुअल स्मार्ट क्लास में मौजूद छात्रों से संवाद किया। 10 वीं कक्षा की छात्रा यामिनी ने इस दौरान वर्चुअल स्मार्ट क्लास रूम के लिए सीएम का आभार जताया। जिला मुख्यालय में पीएमश्री राजकीय बालिका इंटर कालेज पौड़ी में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें पालिकाध्यक्ष हिमानी नेगी ने भी शिक्षा विभाग के अफसरों के साथ शिरकत की। पालिकाध्यक्ष हिमानी नेगी ने कहा कि वर्चुअल स्मार्ट क्लास से छात्र- छात्राओं को काफी सहुलियत मिलेगी और शिक्षण के क्षेत्र में टू वे कंम्यूनिकेशन का लाभ वे उठा सकेंगे। डीईओ माध्यमिक रणजीत सिंह नेगी ने जानकारी दी कि 81 स्कूलों में 2018-19 में से वर्चुअल कक्षों का संचालन हो रहा है , अब 91 वर्चुअल स्मार्ट क्लास जिले में और शुरू हो गई। कहा कि राजीव गांधी नवोदय विद्यालय ननूरखेड़ा में बने विषयवार सजीव प्रसारण स्टूडियो से पारंपरिक विषयों के अलावा छात्रों को मानसिक, शारीरिक और कुशल बनाने के लिए विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा।

एश्वर्यपाल बने नई टिहरी थाने के प्रभारी निरीक्षक

नई टिहरी। एसएसपी आयुष अग्रवाल ने जिले की दो कोतवाली में प्रभारी निरीक्षक को बदला है। नई टिहरी कोतवाली से प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार जाटव को अभी हाल ही में थाने से कोतवाली में अपग्रेड हुई घनसाली का दायित्व दिया गया है। वहीं एसओजी में सेवाएं दे रहे इंस्पेक्टर एश्वर्य पाल को नई टिहरी कोतवाली का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। वहीं बीते दिनों घनसाली के थानाध्यक्ष रहे संजीव थपलियाल को लंबगांव का थानाध्यक्ष बनाया है। लंबगांव के थानाध्यक्ष धर्मेंद्र रौतेला को फिलहाल एसएसपी कार्यालय अटैच किया गया है।

बदहाल हुआ पार्क, सुकून पर लगा ग्रहण

बदहाल स्थिति में पड़ा है सिद्धाबली मंदिर के समीप स्थित पार्क

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः वन विभाग अपनी जिम्मेदारियों को लेकर कितना लापरवाह है, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण सिद्धबली के समीप स्थित बच्चा पार्क की बदहाल स्थिति है। दरअसल, कुछ वर्ष पूर्व लाखों की लागत से कालागढ़ टाइगर रिजर्व वन प्रभाग ने पार्क का सौदर्यीकरण करवाया था। लेकिन, वर्तमान में यह पार्क पूरी तरह बदहाल हो चुका है। जगह–जगह उगी झाड़यों के कारण बच्चों व बजुर्गों ने पार्क में जाना भी बंद कर दिया है। शाम ढलते ही पार्क असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है।

चार वर्ष पूर्व दस लाख रुपये की लागत से पार्क का सौंदर्यीकरण करवाया गया था। पार्क में नई टाइल्स व अमेरिकन घास के साथ ही नए झूले लगाए गए थे। साथ ही पार्क में मनमोहन फूल भी लगाए गए थे। लेकिन, वर्तमान में पार्क में लगाई गई टाइल्स टूट चुकी है। घास की जगह बड़ी-बड़ी झाड़ियां उगी हुई हैं और झूले भी पूरी तरह टूट चुके हैं। नतीजा, जो पार्क कभी सिद्धबली आने वाले पर्यटकों व अन्य लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता था वह आज बदहाल पड़ा हुआ है।

कोटद्वार के सिद्धबली मंदिर के समीप बदहाल स्थिति में पड़ा पार्क

झाड़ियों में सांप सहित अन्य जीवों के डर से लोगों ने पार्क में जाना भी बंद कर दिया है। क्षेत्रवासी कई बार पार्क की स्थिति सुधारने के लिए वन विभाग को पत्र भी दे चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

पुश्ते की नहीं ली सुध

गत वर्ष वर्षाकाल में खोह नदी के तेज बहाव के कारण पार्क की भूमि का हिस्सा नदी की भेंट चढ़ गया था। जिसके कारण अब पूरे पार्क को ही खतरा बना हुआ है। ऐसे में पार्क में आने वाले लोगों को भी जान का खतरा बना हुआ है। पूर्व में वन अधिकारियों ने उक्त हिस्से का निरीक्षण भी किया था। लेकिन, अब तक इसके मरम्मत की सुध नहीं ली गई।

बेहतर जीवन जीने की सीख देता है एनएसएस

आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जानकारी देते शिक्षक

जयन्त प्रतिनिधि,कोटद्वारः देवरमपुर स्थित डैफोडिल पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय सेवा योजना की नवीन इकाई का गठन हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों को एनएसएस के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कहा कि एनएसएस हमें बेहतर जीवन जीने की सीख देता है।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में गढ़वाल मंडल कार्यक्रम समन्वय पुष्कर सिंह नेगी ने विद्यार्थियों को एनएसएस के बारे में बताया। कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों को बेहतर जीवन जीने की सीख देता है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को समाज सेवा का अवसर मिलता है। कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जो युवाओं में राष्ट्र सेवा की भावना को जागृत करता है। साथ ही हमें भविष्य के लिए एक आदर्श नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है। पीजीटी अर्थशास्त्र के शिक्षक शंकर बहादुर को विद्यालय के नवीन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रधानाचार्या नूतन बिष्ट ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सुरक्षा को लेकर सावधान रहें व्यापारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः त्योहार सीजन में बाजार में भीड़ बढ़ने लगी है। ऐसे में पुलिस ने व्यापारियों को अपने सामान की सुरक्षा के साथ ही कानून व्यवस्था के प्रति जागरूक किया। कहा कि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए व्यापारियों को पुलिस का सहयोग करना चाहिए।

रविवार को पुलिस की ओर से झंडाचौक, पटेल मार्ग सहित अन्य स्थानों पर अभियान चलाया गया। पुलिस ने दुकानों में पहुंचकर व्यापारियों को त्योहार सीजन में सावधान रहने की अपील की। कहा कि त्योहार सीजन में बाजार में भीड़ बढ़ने लगती है। ज्वैलर्स की दुकानों में सबसे अधिक भीड़ रहती है।

कोटद्वार बाजार में ज्वैलर्स की दुकानों में पहुंचकर जागरूक करती पुलिस

ऐसे में व्यापारियों को पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। भीड़ का फायदा उठाकर कई संदिग्ध व्यक्ति भी प्रतिष्ठानों में घुसकर चोरी सहित अन्य घटनाओं को अंजाम दे देते हैं। कहा कि ऐसे लोगों की पहचान हो सकें इसके लिए प्रतिष्ठानों में लगे सीसीटीवी कैमरों का चालू स्थिति में होना आवश्यक है।

इस दौरान लोगों से भी कानून व यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग की अपील की गई।

उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी का हुआ स्थानांतरण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कोटद्वार तहसील में तैनात उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी का रूद्रप्रयाग स्थानांतरण हो गया है। अधिवक्ता पिछले कई दिनों से तहसील परिसर में उपजिलाधिकारी के स्थानांतरण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे। पत्रावलियों में गड़बड़ी सहित विभिन्न आरोपों को लेकर बार एसोसिएशन उपजिलाधिकारी के स्थानांतरण की मांग उठा रहा था। अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी पर पत्रावलियों के निस्तारण में पारदर्शिता न अपनाए जाने का आरोप लगाया। कहा कि उनके कार्यकाल में निस्तारित पत्रावलियों की जांच होनी चाहिए। आखिरकार शासन ने उपजिलाधिकारी का स्थानांतरण रूद्रप्रयाग कर दिया है। अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी के स्थानांतरण को आंदोलन की जीत बताया। इस मौके पर जीतेंद्र सिंह रावत, अमित सजवाण, अनिल खंतवाल, अनूप खंतवाल, रश्मि कोठारी, राकेश जोशी, विजेंद्र रणा, राजीव गौड़, रोहित कपटियाल, शैलेश ध्यानी, सुनील खत्री मौजूद रहे।

गरीब की जेब पर डाका है स्मार्ट मीटर

स्मार्ट मीटर के खिलाफ जारी रहा लोगों का धरना

जयन्त प्रतिनिधि कोटद्वार। शहर में लग रहे स्मार्ट मीटर के विरोध में लोगों का धरना रविवार को भी जारी रहा। लोगों ने प्रदेश सरकार से स्मार्ट मीटर को हटाकर पुराने मीटर लगवाने की मांग उठाई। कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता का शोषण किया जा रहा है। कई घरों चार गुना बिजली का बिल आ रहा है।

रविवार को लोगों ने तहसील परिसर में ऊर्जा निगम व प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कहा ऊर्जा निगम व प्रदेश सरकार जनता का शोषण कर रही है। हाल तय है कि लगातार विरोध के बाद भी शहर में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। स्मार्ट मीटर लगने के बाद घरों में बिजली का बिल चार गुना आ रहा है। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी मेहनत मजदूरी करने वाले परिवारों को हो रही है। महीने की पूरी बचत बिजली के बिल को

कोटद्वार तहसील में स्मार्ट मीटर के विरोध में धरना देते लोग

भरने में ही जा रही है। कहा कि सरकार को पुराना मीटर बदलने का कारण बताना चाहिए। जब पुराने मीटर बेहतर तरीके से कार्य कर रहे हैं और उन्हें हटाने का कोई औचित्य ही नहीं है। कहा कि जनता के हित को देखते हुए स्मार्ट मीटर लगाने की कार्रवाई को बंद किया जाना चाहिए। इस मौके पर पार्षद रीता देवी, अमर सिंह, मदन सिंह, गीता देवी, परमानंद, राम प्रकाश, सरोजनी देवी, नसरीन, सुरेश कुमार, राकेश नौटियाल, चंद्र मोहन आदि मौजूद रहे।

जनता का शोषण कर रही भाजपा सरकार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः जिला कांग्रेस पदाधिकारियों ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर जनता के शोषण का आरोप लगाया। कहा कि विकास के नाम पर केवल जनता को गुमराह किया गया है। प्रदेश सरकार विकास के हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है।

इस संबध में रविवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रैस वार्ता में कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद डबराल व वरिष्ठ नेत्री रंजना रावत ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार आम जन के हितों पर कुठाराघात कर रही है। कोटद्वार विधान सभा के विकास के लिए की गई घोषणाएं अभी तक धरातल पर नहीं उतर पाई हैं। केंद्र व प्रदेश सरकार के इशारे पर मतदाता सूचियों से मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। इसी क्रम में कोटद्वार निकाय चुनावों में लगभग दस हजार

कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद डबराल

वोटरों के नाम सूची से काट दिए गए। कहा कि कांग्रेस इस संबध में साक्ष्य जुटाकर कार्रवाई करेगी। लालढ़ांग–चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए जनता आंदोलनरत है, लेकिन प्रदेश सरकार सुध ही नहीं ले रही है। क्षेत्र में लोगों के घरों में मना करने के बाद भी जबरन बिजली के स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। शहर की सड़कों पर घूमते आवरा गौ वंशों, आवारा कुत्तों और बंदरों के आतंक से क्षेत्रवासी परेशान हैं, लेकिन सरकारी तंत्र सुध लेने को राजी नहीं है। जंगली जानवर आए दिन काश्तकारों की फसलों को चौपट करने सहित लोगों पर हमला कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश सरकार कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाई है। कहा कि पार्टी इन सब बिंदुओं को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाते हुए जनता को जागरूक करेगी। इस अवसर पर बलबीर रावत, मनवर सिंह रावत और कृपाल सिंह नेगी आदि वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति मिलने का स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः देवाल विकास खंड के सैनिक बाहुल्य गांव सवाड़ में केन्द्रीय विद्यालय की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का एक शिष्टमंड़ल रविवार को गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी से दिल्ली में मिला और सांसद का अभार जताया। थराली विधान सभा क्षेत्र के विधायक भूपाल राम टम्टा की अगुवाई में देवाल क्षेत्र का शिष्टमंड़ल दिल्ली पहुंचा । विधायक भूपाल राम टम्टा ने क्षेत्र की समस्याओं से सांसद अनिल बलूनी को अवगत कराया और केन्द्रीय विद्यालय की स्वीकृत करने पर आभार जताते हुए धन्यवाद किया और हर्ष जताया। शिष्टमंड़ल में क्षेत्र प्रमुख तेजपाल रावत, अमर शहीद सैनिक मेला अध्यक्ष आलम बिष्ट, पूर्व मंड़ल अध्यक्ष नंदु बहुगुणा, विधायक प्रतिनिधी देव सिंह, डीएवी कालेज देहरादून के पूर्व अध्यक्ष दयाल बिष्ट, गंढ़वाल विश्वविद्यालय के अध्यक्ष महिपाल बिष्ट,नरेंद्र सिंह, गोबिंद सिंह, नंदन सिंह, महाबीर भड़ारी, धन सिंह धपोला आदि मौजूद थे।

एसोसिएशन ने जल्द नियुक्ति करने की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः बेरोजगार डिग्री फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने जल्द ही नियुक्ति देने की मांग उठाई है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि राज्य में बीफार्मा डिग्री धारक 4 वर्षीय कोर्स कर बेरोजगार बैठे है। जिससे उनको भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऑनलाइन माध्यम से हुई बेरोजगार डिग्री फार्मासिस्ट एसोसिएशन की बैठक में एसोसिएशन से जुड़े सदस्यों ने कहा कि बीफार्मा डिग्री धारक को दवा निर्माण, दवा स्टोर व दवा वितरण का पूर्ण ज्ञान होता है। आरोप लगाया कि उत्तराखंड सरकार बीफार्मा डिग्री धार को फार्मासिस्ट के पद पर ले नहीं ले रही है जिसके चलते मेडिकल स्टोर व अस्पताल में अन्य किसी से दवा वितरण पर कोई भी जनहानि हो सकती है। कहा कि बीफार्मा डिग्री धारक दवा के उपयोग व दवा से होने वाले नुकसान, ड्रग काउंसलिंग के अलावा सभी क्षेत्र में महत्वपूर्ण जानकारी रखते हैं, यदि सरकार बीफार्मा डिग्री धारकों को फार्मासिस्ट के पद पर लेती है तो आम जनता के स्वास्थ्य में संपूर्ण सुधार हो सकते है। कहा कि बीफार्मा डिग्री धारक दुर्गम क्षेत्रों में भी अपनी सेवा देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अनुभवहीन लोगो के दवा वितरण के चलते हाल ही में कफ सिरप से राजस्थान व मध्य प्रदेश में काफी हानि हुई है, इसको देखते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त फार्मेसी स्नातक को स्वास्थ्य सेवाओं में लेना आवश्यक है। बैठक में गोविंद शाह, अतुल शाह, ओमप्रकाश, प्रमोद कुमार, पुष्पा राणा, पंकज रौतेला, दिनेश सिंह, मुकेश रावत, विनय चमोली आदि शामिल रहे।

बच्छणस्यूं के कई गांवों में सड़क बन रहा पलायन का कारण

रुद्रप्रयाग। पहाड़ के गांवों में आज भी बुनियादी सुविधाएं न मिलने से पलायन जारी है। कई गांव ऐसे हैं जहा महज एक–दो परिवार ही रह रहे हैं जबकि विकट परिस्थितियों में अपना जीवन गुजार रहे हैं। बच्छणस्यूं के कई गांवों में इस तरह के गांवों की स्थिति देखी जा रही है। जनपद के कई गांव ऐसे हैं जहां वर्षों पूर्व गांव आवाद थे किंतु सड़क, बिजली और पानी जैसी जरूरतों के अभाव में यह गांव खाली हो रहे हैं। भले ही यहां गिने चुने परिवार कठिन परिस्थिति में जीवन गुजार रहे हैं। बीते दिन बच्छणस्यूं के कांडई का ल्वेगढ़ गांव भी इसी तरह पलायन की मार झेल रहा है यहां एक 90 वर्षीय बुर्जुग महिला की मौत के बाद अंतिम संस्कार को ले जाने के लिए भी लोग भी मिले। बेटा मानसिक विक्षिप्त होने के कारण गांव से दूर रहता है। आसपास के ग्रामीणों को महिला की मौत की सूचना दूसरे दिन मिली। ल्वेगढ़ गांव में भले ही पहले 15–16 परिवार थे किंतु आज तीन महिलाएं ही गांव में हैं। वहीं बच्छणस्यूं पट्टी के डुमांणी, कपलखील, ढामणी, पणधारा, बंगोली आदि कई गांव हैं जहां 1 से 4 परिवार ही रह रहे हैं। इन गांवों के लोग भी सड़क न मिलने से लगातार पलायन करने को मजबूर हैं। बच्छणस्यूं क्षेत्र की रहने वाली जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत का कहना है कि पलायन पर रोक लगाने के लिए ऐसे गांवों में सड़क, बिजली और पानी की जरूरत समय रहते पूरी की जानी चाहिए।

मैं पूरा प्रयास करूंगी कि सरकार के साथ ही विधायक एवं उचित मंचों पर सड़क सुविधा दिलाने के लिए संघर्ष करूंगी ताकि ऐसे गांव जीवित रह सके। कई लोग अपने गांव लौटना चाहते हैं, किंतु सड़क सुविधा इसके लिए पहली जरूरत है। उन्होंने कहा कि ल्वेगढ़ जैसे और गांव न हो इसके लिए ग्रामीणों से मिलकर विशेष योजना बनाई जाएगी।

चंबा महोत्सव के लिए स्थलीय निरीक्षण किया

नई टिहरी। डीएम नितिका खण्डेलवाल ने बादशाहीथौल के रानीचोरी क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। ढरसाल गांव में आगामी चंबा महोत्सव कार्यक्रम को लेकर मेला स्थल का निरीक्षण भी किया। पालिका को चंबा के मेला स्थल में साफ सफाई एवं सीढ़ियों को ठीक करवाने को निर्देशित किया। खेल स्थल को पूरी तरह से सुरक्षित व व्यवस्थित करने के निर्देश दिये। डीएम ने सौद कोटी में लोगों के रास्तों एवं स्ट्रीट लाइट की मांग पर स्थलीय निरीक्षण कर सड़कों का जायजा लिया गया। ईओ चंबा ने बताया कि स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था कर दी गई है। इस दौरान डीएम ने पक्षी कुंज का निरीक्षण कर ईओ चंबा को गंदगी साफ करवाने को कहा। साथ ही एसएचओ को क्षेत्र में गश्त करने तथा वन विभाग को पक्षी कुंज में बने पॉन्ड्स को ठीक करवाने को निर्देशित किया। डीएम ने वानिकी महाविद्यालय रानीचोरी का भी निरीक्षण किया। इस दौरान ईओ नगर पालिका चंबा प्रशांत, एसओ डीएस नेगी, जगदीश चंद्र उनियाल आदि मौजूद रहे।

कृषि और सहकारिता मिलकर बदल रहे उत्तराखंड की तस्वीर : उनियाल

श्रीनगर गढ़वाल। आवास विकास मैदान में आयोजित नौ दिवसीय सहकारिता मेला रविवार को किसानों और महिला समूहों की सहभागिता से जीवंत रहा। इस दौरान कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल और सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने पौड़ी जनपद के 156 किसानों को 2 करोड़ 21 लाख 50 हजार का ब्याज रहित ऋण वितरित किया। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि सहकारिता और कृषि विभाग के संयुक्त प्रयासों से आज प्रदेश के किसान आत्मनिर्भर बन रहे हैं। सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि सहकारिता मेलों के माध्यम से किसानों और महिला सहायता समूहों को न केवल अपने उत्पाद बेचने का अवसर मिल रहा है, बल्कि विभागीय योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है।

बताया कि राज्य सरकार द्वारा लघु एवं सीमांत कृषकों को 1 लाख तक ब्याजमुक्त फसली ऋण, पशुपालन व मशरूम उत्पादन हेतु 1.60 लाख से 5 लाख तक ब्याजमुक्त ऋण प्रदान किया जा रहा है। मौके पर विधायक लैंसडाउन महंत दिलीप रावत, मुख्य विकास अधिकारी पौड़ी गिरीश गुणवंत, अपर निबंधक सहकारिता आनंद शुक्ल, मेला संयोजक मातवर सिंह रावत, संपत सिंह रावत, उमेश त्रिपाठी, महावीर कुकरेती, नरेंद्र सिंह रावत आदि उपस्थित रहे।

जखोली में पर्यटन विकास मेला 25 से, तैयारियां तेज

रुद्रप्रयाग। ब्लॉक जखोली मुख्यालय में पांच दिवसीय कृषि औद्योगिक एवं पर्यटन विकास मेला 25 से 29 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। ब्लॉक मुख्यालय परिसर में आयोजित होने वाले कृषि एवं औद्योगिक विकास मेले में विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी एवं स्वयं सहायता समूहों सहित क्षेत्र के प्रगतिशील किसान प्रदर्शिनी एवं स्टालों के माध्यम से लोगों को जानकारी देंगे। मेले में क्षेत्र की महिला मंगल दल, विभिन्न स्कूलों के छात्र छात्राओं एवं स्थानीय कलाकारों सहित उत्तराखंड के सुप्रसिद्ध लोक कलाकारों द्वारा अपने प्रस्तुतियां दी जाएगी। इसके तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मेले के दौरान विकासखण्ड जखोली के प्रगतिशील किसानों,राज्य आंदोलनकारियों, उत्तराखण्ड राज्य में जखोली ब्लाक के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में

योग्यता सूची में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं व जखोली ब्लाक के शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार से अलंकृत शिक्षकों, राज्य स्तर पर पुरस्कार प्राप्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को पुरस्कृत किया जाएगा।विगत दिवस ब्लाक सभागार में क्षेत्र पंचायत प्रमुख विनीता चमोली की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ब्लाक के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में पांच दिवसीय कृषि औद्योगिक एवं पर्यटन विकास मेले को 25 से 29 अक्टूबर तक भव्य रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में मेले को भव्य आयोजन को लेकर पूर्व क्षेत्र पंचायत प्रमुख प्रदीप थपलियाल ने सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों को आपस में मिलकर भव्य आयोजन की बात उन्होंने कही है। उन्होंने मेले को भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों में आपसी सामंजस्य स्थापित करने को कहा है। ब्लाक सभागार में आयोजित बैठक में प्रमुख विनीता चमोली, ज्येष्ठ उप प्रमुख नवीन सेमवाल, कनिष्ठ उप प्रमुख राजेन्द्र सिंह रावत, पूर्व ज्येष्ठ उप प्रमुख नागेन्द्र पंवार कहा कि कृषि मेले में विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी कर्मचारी अपने अपने विभागों के माध्यम से लोककल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों को जानकारी देंगे ।

सघन चैकिंग अभियान में संदिग्धों से की पूछताछ

नई टिहरी। त्योहारी सीजन को देखते हुए थाना मुनि की रेती के चौकी कैलाश गेट क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान पुलिस ने चलाया। आगामी दिनों में होने वाले त्यौहारों के दृष्टिगत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से मुनि की रेती चौकी कैलाश गेट क्षेत्र में पुलिस संदिग्धों को लेकर अभियान चलाया। पुलिस के सघन चेकिंग अभियान को लेकर चौकी प्रभारी राजेंद्र रावत ने बताया कि इस अभियान के तहत होटलों, बैकों, मुख्य मार्गों, सार्वजनिक स्थलों, पार्किंग क्षेत्रों, होटल, धर्मशालाओं एवं बस–टैक्सी स्टैंड आदि पर संचालित किया गया है। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध वाहनों, व्यक्तियों एवं संदिग्ध सामग्रियों की गहन जांच की है।

गढ़वाल विवि के भौतिकी विभाग की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की ओर से हिमालयी क्षेत्र में एरोसोल, वायु गुणवत्ता एवं जलवायु परिवर्तन पर तृतीय बहुविषयक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सोमवार से स्वामी मनमंथन प्रेक्षागृह में शुरू होगी। हिमालयी क्षेत्र में एरोसोल, वायु गुणवत्ता, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय स्थिरता से जुड़े बहुआयामी मुद्दों पर वैज्ञानिक विमर्श को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से होने वाली दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में देश–विदेश से पहुंचने वाले विषय विशेषज्ञ अपने अनुभव एवं शोध प्रस्तुत करेंगे। संगोष्ठी का शुभारंभ उत्तराखंड राज्य पूर्व सैनिक कल्याण परामर्श समिति एवं संस्थापक एंव यूथ फाउंडेशन उत्तराखंड के संस्थापक कर्नल कोठियाल करेंगे। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. आलोक सागर गौतम ने बताया कि संगोष्ठी में लगभग 20 विषयगत सत्र आयोजित किए जाएंगे,जिनमें विज्ञान, जीवन विज्ञान, जलवायु परिवर्तन, औषधीय पौधे, कृषि, पारंपरिक ज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, पर्यावरणीय स्थिरता, और हिमालयी क्षेत्र की समसामयिक चुनौतियों पर गहन विमर्श होगा।

प्रत्येक सत्र में विशेषज्ञ अपने शोध और अनुभव प्रस्तुत करेंगे, जिससे शोधार्थियों, वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को ज्ञान, प्रेरणा और नवीन शोध दृष्टिकोण प्राप्त होंगे। बताया कि संगोष्ठी में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को सम्मानित भी किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

विरासत में सुपर बाइक रैली का रोमांच

देहरादून। विरासत महोत्सव के दोपहर के सत्र में रविवार को सुपर बाइक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें बाइक के इंजन की गर्जना ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। 26 बाइकर्स ने दून की सड़कों पर एक जोशीली राइड में हिस्सा लिया। कौलागढ़ रोड स्थित ओएनजीसी के डॉ.बीआर आंबेडकर स्टेडियम से शुरू यह बाइक राइड देहरादून कैंट, दिलाराम चौक, राजपुर रोड से जाखन, मसूरी डायवर्जन से वापस कौलागढ़ रोड पहुंचकर समाप्त हुई। इस राइड के प्रतिभागियों में शशांक डोभाल कावासाकी निंजा 1400 आरआर बाइक चला रहे थे। उनके साथ कॉन्टिनेंटल जीटी 650 सीसी बाइक्स के साथ कई अन्य राइडर्स भी थे, जिनके बेड़े में क्लासिक एवं आकर्षण विविधता से भरे सुपर बाइक्स शामिल रही।

पांच जिलाधिकारियों समेत 44 अफसरों के तबादले

देहरादून। शासन ने पांच जिलाधिकारियों समेत 44 आईएएस, पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिए हैं। आईएएस ललित मोहन रयाल को नैनीताल, गौरव कुमार चमोली, आशीष भटगाईं पिथौरागढ़, अंशुल सिंह अल्मोड़ा, आकांक्षा कोंडे को बागेश्वर का जिलाधिकारी बनाया गया है। सचिव दिलीप जावलकर से ग्राम्य विकास, ग्रामीण निर्माण विभाग का जिम्मा हटा कर सचिव धीराज सिंह गर्ब्याल को दिया गया। डा. बीवीआरसी पुरुषोत्तम से निदेशक मत्स्य का चार्ज हटा कर पीसीएस चंद्र सिंह धर्मशक्तू को दिया गया। पंचायतीराज विभाग का जिम्मा सचिव चंद्रेश यादव से हटकर विशेष सचिव डा. पराग मधुकर धकाते को दिया गया। सचिव रणवीर सिंह चौहान से महानिदेशक कृषि एवं उद्यान का चार्ज हटा कर आयुक्त खाद्य बनाया गया। मेलाधिकारी सोनिका को उपाध्यक्ष हरिद्वार विकास प्राधिकरण की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई।

सेतु आयोग आगराखाल और पाटी में गेट्स फाउंडेशन के फंड से सुधारेगा खेती

देहरादून। टिहरी के आगराखाल और चंपावत के पाटी में सेतु आयोग ने खेती-किसानी के लिए अग्रपम पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया। इस प्रोजेक्ट को गेट्स फाउंडेशन से वित्तीय सहयोग कर रहा है। कृषि विभाग प्रोजेक्ट से किसानों की समस्याओं को हल करने के साथ ही खेती को लाभकारी बनाने और सस्ते कोल्ड स्टोरेज में उपलब्ध कराएगा। पर्वतीय किसानों की समस्याओं को हल करने और कृषि स्टार्टअप का मजबूत इको सिस्टम मजबूत करने करने के लिए सेतु आयोग ने यह पहल की है। सेतु आयोग के उपाध्यक्ष राजशेखर जोशी ने इसे लेकर देहरादून और टिहरी में बैठकें कीं। जोशी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में फसलों को जानवरों से नुकसान, पौधों में बीमारियों, खेती में कम मशीनों का इस्तेमाल, सस्ती कोल्ड स्टोरेज की कमी और मिट्टी जांच जैसी दिक्कतें के समाधान में सहयोग किया जाएगा। साथ ही देश के अन्य राज्यों से सफल स्टार्टअप की मदद से सभी समाधान अगले एक महीने में लागू किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि गेट्स फाउंडेशन के साथ सोशल अल्फा संस्था, नाबार्ड, कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र, स्थानीय जिला प्रशासन, एफपीओ कृषिवाणी और स्थानीय किसान मिलकर काम करेंगे। इसमें स्थानीय एफपीओ को देशभर के बड़े खरीदारों से जोड़ने की योजना शामिल है। अभी गेट्स फाउंडेशन ओडिशा, बिहार और यूपी जैसे राज्यों में किसानों के साथ काम कर रही है। हमारा लक्ष्य है उत्तराखंड के किसानों को देश के बेहतरीन समाधानों से जोड़ना, खरीदार उपलब्ध कराना, खेती के तौर-तरीकों को सुधारना, सहकारी समितियों को मजबूत बनाना और धीरे-धीरे तकनीक का ज्यादा उपयोग बढ़ाना है, इसके लिए यह पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है।

बन्नू बिरादरी की दशहरा कमेटी ने परेड ग्राउंड में बिछाई नई घास

देहरादून। बन्नू बिरादरी दशहरा कमेटी द्वारा दो अक्तूबर को विजयदशमी पर दून के परेड ग्राउंड में आयोजित किए गए 78 वें दशहरा उत्सव के दौरान खराब हुई घास को ठीक करने का काम दशहरा कमेटी ने शुरू कर दिया है। रविवार को कमेटी के प्रधान संतोख सिंह नागपाल की मौजूदगी में परेड ग्राउंड की व्यवस्था को सुचारु करने के लिए वहां पर कारीगरों द्वारा नई हरी घास लगवाई जा रही है।

कमेटी प्रधान ने बताया कि समिति अपने प्रयासों से परेड ग्राउंड में सफाई कार्य करवा रही है। जिस जगह पर रावण, कुंभकरण, मेघनाद के पुतले और लंका दहन किया गया था वहां पर स्मार्ट सिटी द्वारा बिछाई गई घास को भी नुकसान पहुंचा था। इसी जले हुए हिस्से की घास को दुबारा से बिछाया जा रहा है।

सीएम धामी ने किया उत्तरांचल प्रेस क्लब द्वारा आयोजित दीपावली महोत्सव—2025 कार्यक्रम में प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून में उत्तरांचल प्रेस क्लब द्वारा आयोजित दीपावली महोत्सव–2025 कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लक्की ड्रॉ विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तरांचल प्रेस क्लब की भूमि के आवंटन की कार्यवाही गतिमान है। इस कार्यवाही के पूरे होने के बाद, उत्तरांचल प्रेस क्लब के लिए भव्य भवन का भी निर्माण कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलन से लेकर आज तक, उत्तराखंड के अनेकों पत्रकारों ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास में लेखनी के जरिए अपनी अहम भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी पत्रकारों को दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली का पर्व हम सभी के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने कहा पत्रकारों का जीवन भी दीपावली के दीपकों की तरह है, जो दिन–रात समाज को दिशा दिखाने का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों से इस दिवाली स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा विकसित भारत और विकसित उत्तराखंड के निर्माण के लिए हमें अपने देश में स्वदेशी को बढ़ावा देना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, पत्रकारों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है। पत्रकारों की सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा, आकस्मिक सहायता और आवासीय योजनाओं को लेकर सरकार ने कई कदम उठाए हैं। वरिष्ठ पत्रकार सम्मान योजना के अंतर्गत अनेक वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया जा रहा है। पत्रकारों की पेंशन में वृद्धि, विभिन्न जिलों से देहरादून आने वाले पत्रकारों को पूर्व की भांति सूचना विभाग के जरिये देहरादून में रहने की उचित व्यवस्था करने का भी प्रयास किया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा मुख्यमंत्री पत्रकार पेंशन योजना के तहत पत्रकार कल्याण कोष का बजट 5 करोड़ रूपए से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए किया गया है। पत्रकारों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य शिविरों का भी आयोजन किया जा रहा है। राज्यभर में मीडिया सेन्टरों के आधुनिकीकरण और प्रेस क्लबों के सशक्तिकरण का कार्य शुरू किया गया है।

जिला योजना की राशि समय पर खर्च करें: डीएम

नई टिहरी। जिला कलेक्ट्रेट सभागार नई टिहरी में जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल की अध्यक्षता में जिला योजना की समीक्षा बैठक आहूत की गई। जीएम डीआईसी के बैठक में अनुपस्थित रहने पर डीएम ने स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिये। योजना की राशि समय पर खर्च करने को विभागों को चेताया। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, सिंचाई, लघु सिंचाई, वन, समाज कल्याण, उद्यान, मत्स्य, पर्यटन सहित अन्य विभागों को जिला योजना में आवंटित धनराशि के सापेक्ष व्यय की स्थिति एवं अद्यतन कार्यों की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी लेते ससमय देने को कहा। डीएम ने कहा कि जिन भी विभागों को अपने कार्यों में संशोधन करने हैं, वह 25 अक्टूबर तक प्रस्ताव उपलब्ध करा दें। जिला योजना के अंतर्गत व्यय एवं निर्माण कार्यों की स्थिति स्पष्ट न होने के कारण शिक्षा, समाज कल्याण, उद्यान एवं पर्यटन विभाग की पुनः बैठक आहूत करवाने को कहा। डीएम ने एसई लोक निर्माण विभाग को नरेंद्रनगर में पूल्ड आवासों में आवंटित किए गए लोगों की सूची उपलब्ध कराने, खेल अधिकारी को नरेंद्रनगर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतर्गत टिहरी कप का नाम परिवर्तन करने तथा भेषज को कार्य न किए जाने की स्थिति में पैसा वापस करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही पशु चिकित्सा अधिकारी को निराश्रित पशुओं पर रिफ्लेक्टर लगाने को कहा गया, ताकि पशु दुर्घटना का शिकार न हों। विभागों के कार्यदाई संस्था को पैसा दे देना ही व्यय न समझा जाए, उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर ही खर्चा दिखाएं। जिला अर्थ संख्या अधिकारी को जिला योजना के चालू कार्यों की लिस्टिंग का कहा गया।

विधिक सेवाओं का लें अधिकाधिक लाभ: गुहनाथन नरेंद्र

नई टिहरी। मार्डन इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नालॉजी ढालवाला में वृहद विधिक सेवा शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि उच्च न्यायलय के मुख्य न्यायधीध न्यायमूर्ति गुहनाथन नरेंद्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गुहनाथन नरेंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि आज न्याय विभाग आपके द्वारा आया है।

इस बहुदेशीय विधिक सेवा शिविर के अवसर पर सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसका सभी लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि सभी मिल जुलकर कार्य करें। नालसा के तहत आपदा पीड़ितों को विधिक सेवा प्राधिकरणों के माध्यम से विधिक सेवाएं एवं नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं तथा नशा उन्मूलन के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि किसी को भी कोई कानूनी सहायता की जरूरत हो तो वह विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क ले सकता है। विशिष्ठ अतिथि न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी ने न्यायपालिका और सरकार की योजनाओं के एक साथ शिविर आयोजित किए जाने पर प्रशंसा करते हुए कहा कि दुरस्थ क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति तक को सामाजिक, आर्थिक एवं कानूनी सहायता दिया जाना ही विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य है। सदस्य सचिव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण प्रदीप कुमार मणि ने कहा कि हर नागरिक कानून जानता है। उन्होंने कहा की विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के सबसे निचले व्यक्ति के लिए कार्य कर रहा है। वन विलेज वन पीएलबी के तहत उत्तराखंड में साढ़े 15 हजार, देश में सबसे अधिक पीएलबी काम कर रहे हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टिहरी गढ़वाल के तत्वाधान में आयोजित बहुउद्देशीय विधिक सेवा एवं जागरूकता शिविर में एएसपी जेआर जोशी ने साइबर ऋइम के कारणों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने जिला समाज कल्याण विभाग के माध्यम से रविंद्र, अर्जुन लाल, राम कुमार को अटल आवास योजना के तहत 1 लाख 30 हजार के चेक और अजीत जोशी, सूरज सिंह, सीमा उनियाल को व्हीलचेयर और आजाद भट्ट को बैसाखी वितरित किये।

250 लोगों ने लिया निशुल्क नेत्र जांच शिविर का लाभ

श्रीनगर गढ़वाल। विकासखंड कीर्तिनगर के मढ़ी चौरास में रविवार को हंस फाउंडेशन की ओर से निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पहुंचे चौरास सहित आसपास क्षेत्र के लोगों को निशुल्क दवाई और चश्में वितरित किये गए। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. अमित ने मरीजों के आंखों का चैकअप कर परामर्श दिया। शिविर में अधिकांश लोगों में मोतियाबिंद की शिकायत देखी गई, जिनको हंस फाउंडेशन चिकित्सालय सतपुली ले जाया गया। जहां डाक्टरों की टीम द्वारा मरीजों की आंखों का निशुल्क आपरेशन किया जायेगा।जिला पंचायत सदस्य निर्मला भंडारी और पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य डा. प्रताप भंडारी ने बताया कि शिविर में पहुंचकर 250 लोगों ने लाभ लिया।

ग्रीन हाउस को मिला जूनियर व सीनियर का सर्वश्रेष्ठ खिताब

नई टिहरी। सेंट एंथोनी पब्लिक स्कूल नई टिहरी के वार्षिक खेल दिवस में छात्र–छात्राओं ने शानदार खेल और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर सबका मन मोहा। ग्रीन हाउस को जूनियर और सीनियर वर्ग और ब्लू हाउस को प्ले स्कूल वर्ग में सर्वश्रेष्ठ हाउस का खिताब दिया गया। एथलीट प्रफुल्ल शाह को ओवरऑल चैंपियन का पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षा के मेधावियों और नर्सरी से कक्षा 12 वीं तक स्कूल में अध्ययन करने वाले छात्रों और परिजनों को सम्मानित किया गया। बौराड़ी स्टेडियम में रविवार को सेंट एंथोनी के एनुअल स्पोर्ट्स डे का पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत और क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी संजय लिंगवाल ने शुभारंभ किया। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि स्कूल नई टिहरी में बेहतरीन शिक्षा दे कर पलायन रोके हुए हैं। स्कूल के निदेशक गौतम बिष्ट ने उपलब्धियां व स्कूल की प्रगति आख्या बताई। बताया कि बोर्ड परीक्षा के साथ–साथ जिला और प्रदेश स्तर पर स्कूल के छात्र–छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षा के मेधावियों और नर्सरी से 12वीं तक स्कूल में अध्ययन करने वाले छात्रों व अभिभावकों को सम्मानित किया गया। जूनियर स्तर की 200 मीटर रेस बालिका वर्ग में डौली पंवार, वर्तिना, सांची उनियाल, सीनियर स्तर बालिका वर्ग में आदिशिखा पेटवाल, दीपाली, अंशिका रतूड़ी, बालक वर्ग में प्रफुल्ल शाह, दिव्यांश नेगी, आदित्य चौहान ऋमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। माध्यमिक स्तर की 200 मीटर रेस बालिका वर्ग में तमन्ना नेगी, प्रियांशी, कृष्टि सजवाण, 400 मीटर रेस सीनियर बालक वर्ग में प्रफुल्ल शाह, आयुष कोठारी, दिव्यांश भट्ट, माध्यमिक स्तर 400 मीटर रेस बालक वर्ग में अमन कठैत, कार्तिकेय, आयुष शाह, 800 मीटर रेस सीनियर बालक वर्ग में आयुष कठैत, सूजल सजवाण, मनीष नेगी ऋमशः पहले, दूसरे और तीसरे नंबर पर रहे। रिले रेस में ब्लू हाउस विजेता बना।

अल्मोड़ा साहित्य महोत्सव में भारतीय संविधान के 75 वर्ष विषय पर विशेष सत्र आयोजित

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा साहित्य महोत्सव में 'भारतीय संविधान के 75 वर्ष' विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता संयोजक विनायक पंत ने की। सत्र के मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय उत्तराखंड के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित रहे।

न्यायमूर्ति पुरोहित ने अपने अनुभव साझा करते हुए भारतीय संविधान को विश्व का सबसे बड़ा 'जीवंत दस्तावेज़' बताया। उन्होंने आपातकाल के दौर में लोकतंत्र की मजबूती और सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को मौलिक अधिकारों के संरक्षक के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में निहित न्याय, स्वतंत्रता और समानता के सिद्धांत उसकी आत्मा हैं, जबकि समय–समय पर हुए संशोधन इसे वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान की मूल संरचना इसका स्थायी आधार है जो इसकी आत्मा की रक्षा करती है। न्यायपालिका पर उठने वाले सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्र न्यायपालिका भारत के संघीय ढांचे की आधारशिला है, इसलिए विकास में न्यायपालिका को बाधा बताने वाली टिप्पणियाँ अनुचित हैं। उन्होंने कोलेजियम प्रणाली में सुधार की आवश्यकता स्वीकार की, पर उसकी स्वतंत्रता बनाए रखने पर बल दिया। पर्यावरणीय चुनौतियों पर उन्होंने कहा कि नए कानून बनाने से अधिक जरूरी है कि मौजूदा कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन हो। उत्तराखंड को पांचवीं अनुसूची का दर्जा देने की मांग पर उन्होंने संयम और ह्यराष्ट्र प्रथमह्ल की भावना अपनाने की सलाह दी। यूकेएसएसएससी परीक्षा प्रकरण पर उन्होंने नैतिक शिक्षा और मूल्य आधारित शासन की आवश्यकता पर जोर दिया। अंत में उन्होंने कहा कि न्यायिक धर्मनिरपेक्षता का अर्थ है कि न्यायाधीश अपने व्यक्तिगत विचारों से ऊपर उठकर निर्णय दें, और जब न्यायिक निर्णयों में साहित्यिक और दार्शनिक गहराई दिखाई देती है, तो वह संविधान की सच्ची भावना का प्रतिबिंब होती है। इसके बाद 'देखने में छोटे लगे घाव करे गंभीर' शीर्षक से व्यंग्य साहित्य पर एक सत्र आयोजित हुआ। इस सत्र का संचालन डॉ. दीपा गुप्ता ने किया, जिसमें उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी, प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. लालित्य ललित और व्यंग्यकार प्रेम जन्मेजय ने विचार रखे। अल्मोड़ा लिट फेस्ट 2025 के अंतर्गत 'हिंदी प्रकाशन में नई संभावनाएं' विषय पर भी एक सत्र आयोजित हुआ। इस सत्र में हिंद युग्म के संस्थापक और प्रसिद्ध प्रकाशक शैलेश भारतवासी ने हिंदी प्रकाशन जगत की मौजूदा दिशा और भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। सत्र का संचालन डॉ. दीपा गुप्ता ने किया।

कांग्रेस की सदस्यता ली, प्रदेश सरकार को नाकाम बताया

रुद्रपुर। सितारगंज में रविवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली। कांग्रेस प्रदेश सचिव नवतेज पाल सिंह ने पटका पहनाकर कांग्रेस की सदस्यता दिलायी। हल्दुआ निवासी फतेह सिंह ने भी अपने साथियों व समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हुए। कांग्रेस नेता नवतेज पाल सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है। सरकार सभी वर्गों का भरोसा खो चुकी है। युवा रोजगार के लिए पलायन कर रहे हैं। राज्य में नौकरियां बेची जा रही हैं। सिडकुल में भी स्थानीय युवाओं को रोजगार देने से मना किया जा रहा है। किसानों के साथ खुली लूट हो रही है। 12 दिन में सरकारी कांटों में तौल नहीं के बराबर हुई है। सरकारी अधिकारी व महकमे कार्यकर्ता की भांति कार्य कर रहे हैं।

सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं लोग: न्यायमूर्ति गुहनाथन

नई टिहरी, नैनीताल हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुहनाथन नरेंद्र ने कहा कि विधिक सेवाओं का अधिक से अधिक लोग लाभ उठाएं। किसी को भी कोई कानूनी सहायता की जरूरत हो तो वह विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क ले सकता है। यह बातें उन्होंने रविवार को एमआईटी ढालवाला में आयोजित वृहद विधिक सेवा शिविर का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आज न्याय विभाग आपके द्वार आया है। इस विधिक सेवा शिविर के जरिए सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसका सभी लाभ उठाएं। विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी ने न्याय पालिका और सरकार की योजनाओं के एक साथ शिविर आयोजित किए जाने की प्रशंसा करते हुए कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति को सामाजिक, आर्थिक एवं कानूनी सहायता दिया जाना ही विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य है। सदस्य सचिव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण प्रदीप कुमार मणि ने कहा कि हर नागरिक कानून जानता है। उन्होंने कहा की विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के सबसे निचले व्यक्ति के लिए कार्य कर रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टिहरी गढ़वाल के तत्वाधान में आयोजित बहुउद्देशीय विधिक सेवा एवं जागरूकता शिविर में एएसपी जेआर जोशी ने साइबर ऋइम से बचाव के बारे में जानकारी दी।

कार से आधा कुंतल से अधिक गांजा बरामद, तस्कर फरार

अल्मोड़ा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अल्मोड़ा पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई की है। रविवार तड़के भतरौजखान पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने चेकिंग के दौरान गांजे से भरी एक कार बरामद की। तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया, जबकि कार से आधे कुंतल से अधिक गांजा बरामद किया गया जिसकी कीमत करीब 13 लाख 59 हजार 450 रुपये बताई गई है। एसएसपी देवेंद्र पींचा ने सभी थाना और चौकी प्रभारियों को अपने–अपने क्षेत्रों में सघन चेकिंग कर नशे की तस्करी में लिप्त लोगों पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी ऋम में अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह और सीओ रानीखेत विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में निरीक्षक भुवन जोशी, प्रभारी एसओजी, तथा थानाध्यक्ष भतरौजखान अवनीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम रविवार तड़के रामनगर रोड स्थित पीलीकोटी के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक स्विफ्ट कार संख्या डीएल –5सीएफ 9911 को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने तेजी से वाहन को आगे बढ़ा दिया। शक होने पर पुलिस टीम ने पीछा किया। छोटी घट्टी तिराहे से कुछ दूरी पहले चालक कार छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। कार की तलाशी लेने पर उसमें चार बोरों में भरा 54.378 किलो अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने अज्ञात फरार तस्कर के खिलाफ भतरौजखान थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 20, 60 और 8 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस टीम फरार अभियुक्त की तलाश में जुटी है। यहाँ टीम में चौकी प्रभारी भिकियासैंण उपनिरीक्षक संजय जोशी, हेड कांस्टेबल आनंद त्रिपाठी, हेड कांस्टेबल नारायण सिंह और कांस्टेबल गणेश दत्त शामिल रहे।

उत्तराखंड जूनियर सेपक टाकरा टीम चयन को ट्रायल आज

रुद्रपुर। उत्तराखंड जूनियर (बालक/बालिका) सेपक टाकरा टीम के चयन के लिए ट्रायल सोमवार सुबह साढ़े नो 9 बजे से शुरू होगा। ट्रायल सेपक टाकरा अकादमी, कल्याणी व्यू रुद्रपुर में आयोजित होगे। द सेपक टाकरा एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के तत्वाधान में ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। सेपक टाकरा एसोसिएशन के अध्यक्ष आरपी शर्मा ने बताया कि ट्रायल में केवल वही खिलाड़ी भाग ले सकेंगे जिनका जन्म एक जनवरी 2007 के बाद हुआ हो। सभी खिलाड़ियों को ट्रायल के दिन अपना आधार कार्ड और दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा। चयन प्रक्रिया में निर्णायक की भूमिका में सेपक टाकरा कोच गौरव जोशी, सावन मल्होत्रा व राष्ट्रीय खिलाड़ी डॉ. नागेन्द्र शर्मा उपस्थित रहेंगे। डॉ. नागेन्द्र शर्मा ने बताया कि चयनित टीम का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा, इसके बाद टीम 27 नवंबर से एक दिसंबर तक एलपीयू फगवाड़ा, पंजाब में होने वाली राष्ट्रीय जूनियर सेपक टाकरा चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेगी।

कौसानी के अनासक्ति आश्रम में राष्ट्रीय विचार शिविर शुरू

अल्मोड़ा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सिद्धांतों और विचारों के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से कौसानी स्थित उनकी कर्मस्थली अनासक्ति आश्रम में राष्ट्रीय विचार शिविर का शुभारंभ हुआ।

देश के 18 राज्यों के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से आए 150 प्रतिभागी इस चार दिवसीय शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। शिविर 12 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा। शिविर का उद्घाटन गांधीवादी, समाजसेवी और पद्मश्री सम्मान से सम्मानित राधा भट्ट ने दीप प्रज्वलित कर किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हिमालय केवल अपनी सुंदरता के लिए ही नहीं जाना जाता, बल्कि इसका सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक महत्व भी अत्यधिक है। उन्होंने कहा कि समाज की समस्याओं का समाधान केवल गांधी विचारों में निहित है। आज की आवश्यकता है कि हम नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करें और समता पर आधारित समाज की अवधारणा को मजबूत बनाएं। शिविर में केन्द्रीय गांधी स्मारक निधि के सचिव संजय सिंह, हरिजन सेवक संघ के सदस्य संजय राय, कर्नाटक गांधी स्मारक निधि की कार्यकारिणी सदस्य अबीदा बेगम, उत्तर प्रदेश गांधी स्मारक निधि के कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट कृष्ण सिंह बिष्ट, अनासक्ति आश्रम के व्यवस्थापक रमेश पांडे, लक्ष्मी आश्रम की संचालिका नीमा बहन, काँहि बहन, गोपाल भाई सहित कई गांधी विचारक उपस्थित रहे। शिविर के दैनिक कार्यक्रमों में सर्वधर्म प्रार्थना, सामुदायिक कार्य, गांधी विचारों की चर्चा, स्वच्छता एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता, तथा गांधी के आर्थिक, सामाजिक, आध्यात्मिक और राजनीतिक चिंतन पर आधारित सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही देश की एकता और अखंडता को सशक्त करने हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम और स्वच्छता अभियान भी संचालित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन संजय सत सिंह ने किया।

पुरोला में पेयजल आपूर्ति ठप, लोग टैंकरों से भर रहे पानी

उत्तरकाशी। नगर पालिका क्षेत्र पुरोला में चार वार्डों में गत दो दिन से पेयजल आपूर्ति ठप पड़ी है। इससे ग्रामीणों को दूर दराज स्थित प्राकृतिक स्रोतों एवं हैंड पंपों से से पेयजल आपूर्ति करनी पड़ रही है। बता दें कि पुरोला ब्लॉक के पुरोला–ढकाड़ा –कुफारा मोटर मार्ग पर इन दिनों विस्तारीकरण एवं सुधारीकरण का कार्य चल रहा है।

इससे नागर पालिका क्षेत्र पुरोला के पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से वार्ड 01 से 04 तक पेयजल आपूर्ति ठप पड़ी है। इससे स्थानीय नरर वासियों को पेयजल आपूर्ति के लिए हैंड पंप एवं टैकरों से पानी की आपूर्ति करनी पड़ रही है। जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। दूसरी ओर पेयजल आपूर्ति न होने से भाजपा के जिला उपाध्यक्ष पवन

नौटियाल ने स्थानीय लोगों के साथ उपजिलाधिकारी पुरोला मुकेश रमोला से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पेयजल समस्या के समाधान की मांग की। कहा कि यदि क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों को जल्द दुरुस्त नहीं किया गया तो आगामी गर्मियों में क्षेत्र में भीषण पेयजल संकट खड़ा हो सकता है। जिस पर एसडीएम मुकेश रमोला ने जलसंस्थान से रिपोर्ट लेकर शीघ्र समस्या निस्तारण को आश्वस्त किया। दूसरी ओर जलसंस्थान के सहायक अभियंता हरदेव आर्य ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य से बार– बार क्षतिग्रस्त हो रही पेयजल लाइन को दूरुस्त करने के लिए ईई पीएमजीएसवाई को पत्र प्रेषित कर क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों की मरम्मत हेतु 211.56 लाख की धनराशि प्रतिपूर्ति स्वीकृति मांगी गई है। कहा कि मार्ग निर्माण कार्य के दौरान कई स्थानों पर जलसंस्थान की पाइप लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई है। जिससे आपूर्ति बाधित हो रही है। प्रतिपूर्ति स्वीकृति मिलने पर पाइपलाइन मरम्मत कार्य आरंभ किया जाएगा, ताकि क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था सुचारु की जा सके।

बीजों के चयन से पहले जलवायु का भी रखें ध्यान

नई टिहरी। कृषि विज्ञान केंद्र रानीचौरी में रबी कृषि गोष्ठी आयोजित की गई। किसानों को गेहूं,सरसों,तोरिया से लेकर अन्य रबी फसलों की बुआई की जानकारी दी। कहा कि किसानों को बुआई से पहले बीज का चयन करते समय पर संबंधित क्षेत्र की जलवायु का भी ध्यान रखना चाहिए। कहा कि सही बीज का चयन होने से ही अच्छी उपज हो सकती है।

रानीचौरी में आयोजित कृषक गोष्ठी का वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.टीएस मेहरा,मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ.डीके शर्मा,कृषि रक्षा अधिकारी सोमांश गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि,पीएम कृषि सिंचाई योजना,कृषि यांत्रिकीकरण,पीएम धन धान्य योजना,दलहन आत्म निर्भरता मिशन,पशुओं हेतु खुरपका,मुंहपका के टीकाकरण और उनका बीमा कराने की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ.आलोक येवले रबी फसलों की वैज्ञानिक तकनीक पर जोर दिया। उन्होंने गेहूं कि वीएल 953,वीएल 892, वीएल 907,सरसों कि पीपीएस 1,पंत श्वेता और तोरिया कि पंत हिल तोरिया 1 की विशेषता बताई। उन्होंने फसलों के बुआई से पहले बीजों के परीक्षण की जानकारी दी। डॉ.जेसी कुनियाल ने जल और मृदा संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ.सचिन कुमार ने प्राकृतिक खेती द्वारा फसल उत्पादन एवं फसल सुरक्षा उपाय के बताए।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा
जयन्त कार्यालय
चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग,
गैरसैंण, जनपद चमोली
उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338